door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 290 | गुवाहाटी | मंगलवार, 21 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मैं ईरान के साथ खड़ा हूं — पेज 2
पुलिस ने 35 लाख की धोखाधड़ी मामले में कौशिक दास को किया गिरफ्तार — पेज 3
खटारा इंजन कहने वाले अखिलेश को जनता देगी करारा जवाब : साध्वी निरंजन ज्योति — पेज 5
मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ी, सचिन... — पेज 7

SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

हेलिकॉप्टर हादसे में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का निधन

तेहरान (हि.स.)। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी (63) का हेलिकॉप्टर दुर्घटना में इंतकाल हो गया। ईरान स्टेट की संवाद समिति इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने अपनी रिपोर्ट में दुर्घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों के हवाले से इसकी घोषणा की है। हालांकि ईरान की सरकार ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। उम्मीद है जल्द ही सरकार आधिकारिक घोषणा करेगी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर का मलबा अजरबैजान की पहाड़ियों पर मिल गया है। हेलिकॉप्टर में राष्ट्रपति के साथ ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन समेत नौ लोग सवार थे। इरान के प्रमुख समाचार पत्र तेहरान टाइम्स और इरान इंटरनेशनल (अंग्रेजी संस्करण) की रिपोर्ट में हेलिकॉप्टर का मलबा मिलने की पुष्टि हुई है। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी के अनुसार, रईसी 19 मई की सुबह अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने गए थे। लौटते वक्त अजरबैजान की सीमा के करीब ईरान के वरजेघन शहर में यह हादसा हुआ। अधिकारियों का कहना है कि ईरानी राष्ट्रपति रईसी अमेरिका में बने बेल 212 हेलिकॉप्टर पर सवार थे। दो ब्लेड वाला यह एयरक्राफ्ट मीडियम साइज का हेलिकॉप्टर है। इसमें पायलट सहित 15 लोग बैठ सकते हैं। इसमें राष्ट्रपति रईसी, विदेश मंत्री होसैन के अलावा हेलिकॉप्टर में पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मलिक रहमती,

तबरीज के इमाम मोहम्मद अली अलेहाशेम, एक पायलट, को-पायलट, करू चीफ, हेड ऑफ सिक्योरिटी और बॉडीगार्ड सवार थे। उनका हेलिकॉप्टर रविवार शाम 7:30 बजे अजरबैजान के पास लापता हो गया था। ईरान के रेड क्रिसेंट प्रमुख पीर-हुसैन कोलीवंड ने सरकारी टेलीविजन को बताया कि अब तक दुर्घटनास्थल पर *जीवन का कोई संकेत नहीं* मिला है। बचाव इकाइयां दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। मलबा मिल गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया है कि दुर्घटना में ईरानी राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर पूरी तरह जल गया है। इस हेलिकॉप्टर में सवार किसी भी व्यक्ति के जीवित होने की संभावना क्षीण हो गई है। दुर्घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय -शेष पृष्ठ दो पर

मोहम्मद मोखबर होंगे अंतरिम राष्ट्रपति

तेहरान (हि.स.)। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत पर देश में पांच दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। उन्होंने मोहम्मद मोखबर को अंतरिम राष्ट्रपति नियुक्त करने को मंजूरी दी है। दुनिया के प्रमुख नेताओं ने राइसी के निधन पर शोक जताया है। इनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर हादसे में निधन पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स हैंडल पर जारी अपने शोक संदेश में कहा है कि दुख की इस घड़ी में भारत ईरान के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा है कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम राइसी के दुखद निधन से बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके परिवार और ईरान के लोगों के प्रति मेरी -शेष पृष्ठ दो पर

असम की क्रिस्टीना बोरा ने मिस ग्लोबल इंडिया सनशाइन 2024 का ताज जीता

गुवाहाटी / पणजी। असम के देरगांव की एक युवा लड़की क्रिस्टीना ने गोवा में आयोजित मिस्टर एंड मिस ग्लोबल इंडिया सनशाइन 2024 मॉडलिंग प्रतियोगिता में मिस कैटेगरी जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। उनकी जीत राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण को उजागर करती है। क्रिस्टीना बचपन से ही मॉडलिंग कर रही हैं, उन्होंने अपने जुनून और कौशल का प्रदर्शन करते हुए पूरे भारत में अपनी पहचान बनाई है। मॉडलिंग में उनकी यात्रा 2022 में देरगांव में एक स्थानीय कार्यक्रम से शुरू हुई। तब से, उन्होंने कई जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया, कई पुरस्कार जीते और मॉडलिंग उदयोग में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की। उन्होंने मुंबई, गोवा और अरुणाचल प्रदेश समेत कई गज्यों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए उनकी तैयारी सावधानीपूर्वक थी, जो उनकी निष्ठा और कड़ी मेहनत को दर्शाती है। पारंपरिक दौर में असम का प्रतिनिधित्व करते हुए, क्रिस्टीना ने मेखला चादर, जापी पहनी और अपनी सांस्कृतिक विरासत को गर्व से प्रदर्शित करते हुए अपनी पोशाक में असम मानचित्र को शामित्र किया। वह असम के 16 अन्य प्रतिभागियों में शामिल थीं। जो इस प्रतिष्ठित खिताब के त्रिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। क्रिस्टीना की सफलता उसके संकल्प और इट् संकल्प का प्रमाण है, जो असम और उसके बाहर के कई महत्वाकांक्षी मॉडलों के लिए प्रेरणा के रूप में काम कर रही है। उनका परिवार और देरगांव के लोग उनकी उपलब्धियों से खुश हैं, जो इस क्षेत्र से उभर रही क्षमता और प्रतिभा को रेखांकित करता है।

सुप्रभात

बिना कष्ट के ये जीवन एक बिना नाविक के नाव जैसा है, जिसमें खुद का कोई विवेक नहीं। एक हल्के हवा के झोके में भी चल देता है।

– **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

न्यूज गैलरी

अहमदाबाद हवाई अड्डे पर आईएस के चार आतंकवादी गिरफ्तार

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर इस्लामिक स्टेट के 4 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए श्रीलंकाई मूल निवासी और इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी हैं। फिलहाल एटीएस इनसे पूछताछ कर रही है। एटीएस शाम चार -शेष पृष्ठ दो पर

मैं रामकृष्ण मिशन के खिलाफ नहीं हूं : ममता

कोलकाता (हि.स.)। भारत सेवाश्रम, रामकृष्ण मिशन और इस्कॉन के साधु-संन्यासियों को लेकर अपनी आपत्तिजनक टिप्पणी पर ममता बनर्जी ने सोमवार को सफाई दी है। बांकुड़ा के विष्णुपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे रामकृष्ण मिशन के खिलाफ नहीं हैं। बस कुछ चुनिंदा लोगों के बारे में उन्होंने बात की थी। ममता ने कहा कि आज मैं जवाब देने -शेष पृष्ठ दो पर

एक मुर्गे ने ली तीन आदमियों की जान दो सगे भाइयों समेत पड़ोसी के मिले शव

लखीमपुर (कछार)। एक मुर्गे को बचाने के लिए घर का छोटा बेटा कुएं में कूद गया। काफी देर तक उसको निकलता न देख बड़े भाई ने भी पानी में छलांग लगा दी। लेकिन जब वह भी बाहर नहीं निकला तो यह देख एक स्थानीय लड़का भी कुएं के अंदर उतर गया। उसका भी जब कोई पता नहीं चला तब परिवारों के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। असम के कछार जिले स्थित लखीमपुर इलाके की यह घटना है। ट्रैक्टर टीला बसाहट में रहने वाले एक परिवार के घर का मुर्गा अचानक कुएं में गिर गया था। उसको बचाने के लिए परिवार के दो भाई मनजीत देब और प्रोसेनजीत देब कुमार कूदे ताकि मुर्गे को बचा के ऊपर ला सकें। लेकिन काफी देर तक उन लोगों की कोई हलचल नहीं मिलने पर अमित सेन नाम का एक स्थानीय लड़का कुएं के अंदर उतरा। जाने के बाद उसकी भी कोई हलचल नहीं मिली, तब परिवार के लोगों को लगा कि कुछ तो गड़बड़ है। इसके बाद स्थानीय पुलिस-प्रशासन को खबर दी गई। फिर स्थानीय पुलिस-प्रशासन ने एसडीआरएफ को बुलाया। -शेष पृष्ठ दो पर

ओडिशा के सीएम माफिया से घिरे, भाजपा सरकार उसकी कमर तोड़ देगी : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि एक माफिया ने उनके आवास और कार्यालय को पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि अगर 10 जून को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई तो उसकी कमर तोड़ देगी। लोकसभा चुनाव के साथ-साथ राज्य विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार ने गति पकड़ ली है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के ढेंकनाल और कटक में दो चुनावी रैली को संबोधित किया। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ओडिशा में एक माफिया है जो प्रत्येक सेक्टर पर कब्जा करके बैठा है। वह माफिया यहां प्रतिस्पर्धा आने ही नहीं देता है। 10 जून को हमारी सरकार आने दीजिए, भाजपा सरकार इस माफिया की कमर तोड़ने वाली है। उन्होंने कहा कि बीजद ने ओडिशा को कुछ नहीं दिया। किसान, युवा और आदिवासी अभी भी बेहतर जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जिन लोगों ने ओडिशा को बर्बाद किया है, उन्हें माफ नहीं किया जाना चाहिए। ओडिशा की जनता ने बीजद को 25 साल तक सरकार सौंपी। आज वे आत्ममंथन कर रहे हैं कि इन 25 सालों में उन्हें क्या मिला। आज भी यहां के किसान -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 40 बांग्लादेशी विधायक बयान पर घिरे हिमंत शर्मा

गुवाहाटी। असम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सामागुरी विधानसभा सीट से विधायक रकीबुल हुसैन ने वरिष्ठ भाजपा नेता और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी *असम में 40 बांग्लादेशी विधायक* के लिए तीखा हमला किया है। हुसैन ने सोमवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक राज्य के मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर रहने के बावजूद हिमंत विश्व शर्मा सिर्फ कुछ वोट पाने के लिए चुनावी रैलियों में असंवैधानिक बातें कह रहे हैं। उन्होंने हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना की और भारतीय चुनाव आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली की सभी अनाधिकृत कॉलोनियों को 2026 तक करेंगे अधिकृत : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि 2026 तक दिल्ली की सभी अनाधिकृत कॉलोनियों को अधिकृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का मतलब भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंचाना है। अमित शाह आज दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में पार्टी की चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां झुग्गी, वहां मकान के तहत केंद्र सरकार 3000 फ्लैट्स आवंटन कर चुकी है। उन्होंने कहा कि कुछ अनाधिकृत कॉलोनियां रह गई हैं, जो आज मैं मोदी की गारंटी देकर जाता हूं- 2026 तक सभी अनाधिकृत कॉलोनियों को अधिकृत करके हम आपको मालिक बनाएंगे। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को लेकर कांग्रेस नेताओं के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अमित शाह ने कहा कि इंडी अलायंस के नेता कहते हैं कि पीओके की बात मत करो, पाकिस्तान का सम्मान करो, क्योंकि उसके पास एटम बम है। अरे राहुल बाबा हम तो भाजपा की जमात हैं, हम एटम बम से नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

काशी से कामाख्या तक की तिब्बत मुक्ति यात्रा गुवाहाटी पहुंची

गुवाहाटी (हि.स.)। काशी से कामाख्या तक की तिब्बत मुक्ति यात्रा सोमवार को गुवाहाटी पहुंच गई। भारत-तिब्बत सहयोग संघ के प्रांत सचिव डॉ. अंजनी कुमार मिश्र के नेतृत्व में 15 मई को काशी से प्रारंभ हुई थी। भारत-तिब्बत सहयोग संघ की ओर से संचालित यह यात्रा आरा, मुजफ्फरपुर, सिलीगुड़ी होते हुए कामाख्या में संपन्न हुई। समापन के अवसर पर डॉ. मिश्र ने कहा कि भारत की सुरक्षा के लिए तिब्बत की आजादी जरूरी है। भारत और चीन के बीच तिब्बत एक बफर स्टेट के रूप में काम करता था, जिसके परिणाम स्वरूप भारत को अपनी सीमा सुरक्षा के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ता था। दूसरी ओर भारत से -शेष पृष्ठ दो पर

तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर खाई में गिरी, 19 लोगों की मौत, पीएम ने जताया दुःख

कवर्धा/रायपुर (हि.स.)। कवर्धा के कुकदूर थानांतर्गत ग्राम बाहपानी के पास सोमवार दोपहर भीषण सड़क दुर्घटना में 19 लोगों की मौत हो गई। ये सभी तेंदूपत्ता तोड़ने के बाद पिकअप में सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान पिकअप दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें 19 ग्रामीणों की मौत हो गई, जिनमें 14 महिला और एक पुरुष शामिल है। पिकअप वाहन में कुल 25 लोग सवार थे। कुल 19 लोगों की मौत इस हादसे में हो गई है। 14 लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि पांच घायल लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में 18 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। जबकि 3 लोग जख्मी हैं। ये सभी बैगा आदिवासी हैं। पुलिस टीम और स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी लोगों को अस्पताल -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : पांचवें चरण में 49 सीटों पर 57.41 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में सोमवार को छह राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों की 49 सीटों पर कुल 57.41 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसमें पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 73 प्रतिशत, जबकि सबसे कम महाराष्ट्र में 48.88 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार में 52.55 प्रतिशत, जम्मू-कश्मीर में 54.21 प्रतिशत, झारखंड में 63 प्रतिशत, लद्दाख में 67.15 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 48.88 प्रतिशत, ओडिशा में 60.72 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 57.64 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में 73 प्रतिशत मतदान हुआ। इस चरण में उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, ओडिशा की पांच, बिहार की पांच, झारखंड की तीन, जम्मू-कश्मीर की एक, लद्दाख की एक सीट शामिल हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, आज ओडिशा विधानसभा की 35 विधानसभा सीटों पर कुल 60.70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पांचवें चरण का मतदान समाप्त होने के साथ ही तमाम उम्मीदवारों की किस्तम ईवीएम में कैद हो गई। इन दिग्गजों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, राजीव प्रताप रुडी, उज्जवल निकम, करण भूषण सिंह, चिराग पासवान, उमर अब्दुल्ला और रोहिणी आचार्या हैं। उधर जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव के दौरान रिकॉर्ड मतदान हो रहा है। सोमवार को -शेष पृष्ठ दो पर

बारामूला में वोटिंग का रिकॉर्ड टूटा

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अमेरिकी दबाव को नजरअंदाज कर ईरान को तरजीह दे रहा भारत, पीएम मोदी बोले-

मैं ईरान के साथ खड़ा हूं

नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रइसी, विदेश मंत्री होसैन आमिर-अब्दोलाहियान व कुछ दूसरे अधिकारियों की एक हेलीकाप्टर हादसे में हुई मौत पर भारत ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति रईसी की मौत पर गहरा सदमा करार दिया है और अपना दुख व्यक्त करते हुए भारत-ईरान रिश्तों को मजबूत बनाने में रईसी के योगदान को याद किया है। विदेश मंत्री जयशंकर अपने शोक संदेश में मृतक राष्ट्रपति व विदेश मंत्री के साथ अपनी मुलाकातों को याद किया है और कहा है कि इस दुख की घड़ी में भारत ईरान की जनता के साथ है। रईसी के कार्यकाल में जिस तरह से भारत-ईरान के रिश्ते बढ़ रहे थे उसके मद्देनजर एक साथ राष्ट्रपति और विदेश मंत्री की मौत का तात्कालिक असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि दीर्घकालिक रिश्तों पर कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है। पीएम मोदी ने अपने शोक संदेश में लिखा है कि ईरान के राष्ट्रपति डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी की दुखद मौत से काफी दुख व गहरा आघात लगा है। भारत-ईरान के रिश्तों को मजबूत बनाने में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार व ईरान की जनता के प्रति मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। इस दुख की घड़ी में भारत की जनता ईरान के साथ है। मोदी ने अंतिम बार सितंबर 2023 में जोहांसबर्ग में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रईसी से मुलाकात की थी। इसके बाद द्विपक्षीय रिश्तों में नई गति महसूस की गई थी। इसका नतीजा मई 2024 में चाबहार पोर्ट के सह-प्रबंधन के लिए किया गया समझौता है जिसके तहत ईरान के इस बेहद रणनीतिक पोर्ट के एक हिस्से का प्रबंधन भारतीय कंपनी को दिया गया है। दोनो नेताओं के बीच द्विपक्षीय कारोबार को बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक नीति बनाने पर बात भी हुई। ईरान पर अभी अमेरिका का प्रतिबंध है जिसकी वजह से भारत उसके साथ खुल कर कारोबार नहीं कर पा रहा है। दोनो तरफ की सरकारें इस प्रतिबंध का काट खोजने में जुटी हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने शोक संदेश में गहरा दुख व्यक्त किया है और दोनों मृत नेताओं के साथ अपनी मुलाकातों को याद किया है। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रपति रईसी और विदेश मंत्री अब्दोलाहियान के साथ उनकी अंतिम मुलाकात जनवरी, 2024 में हुई थी। तब जयशंकर ईरान की यात्रा पर गए थे। ईरान के राष्ट्रपति रईसी ने जनवरी, 2023 में भारत दौरे की योजना बनाई थी लेकिन अंतिम समय में कुछ वजहों से यह नहीं हो पाया था।

उत्तरी अफगानिस्तान में अचानक बाढ़ से 84 की मौत

इस्लामाबाद (हि.स.)। उत्तरी अफगानिस्तान में असामान्य रूप से हुई भारी बारिश के बाद अचानक आई बाढ़ में कम से कम 84 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी तालिबान के एक प्रवक्ता ने रविवार को दी। फरयाब प्रांत के गवर्नर के प्रवक्ता इस्मतुल्ला मुरादी ने कहा कि शनिवार रात प्रांत के चार जिलों में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए, आठ लोग लापता है। उन्होंने बताया कि अन्य लोगों की मौत शुक्रवार को आई बाढ़ में हुई। मुरादी ने कहा कि 1,500 मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि बर्बाद हो गई है और 300 से अधिक पशु मारे गए हैं।

यूक्रेन-रूस के बीच हमले तेज

कीव (हि.स.)। रूस ने अपने क्षेत्र में यूक्रेन के लगभग 60 ड्रोन और कई मिसाइल मार गिराने का दावा किया है जबकि कीव ने कहा है कि उसने 30 से अधिक रूसी ड्रोन नष्ट किए हैं। खार्किव के बाहरी इलाके में एक हमले में रविवार को कम से कम चार लोगों के मारे जाने की खबर है। रूस ने यूक्रेन के युद्धग्रस्त उत्तर-पूर्व इलाके में नए सिरे से आक्रमण शुरू कर दिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी हवाई सुरक्षा ने दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में रात भर में 57 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय सैन्य अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन का मलबा स्लावियांस्क-ऑन-क्यूबन शहर में एक तेल रिफाइनरी पर गिरा, लेकिन इससे आग की कोई घटना अथवा किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है। रिफाइनरी में एक विस्फोट दिखाया गया, क्योंकि इससे एक ड्रोन टकराया। वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

INFORMATION WANTED

MISSING PERSON SRI RITU BORA, S/O- SRI PHANIDHAR BORA, OF VILL- MELANG LAHKAR GAON, PS- TEOK, DIST- JORHAT, ASSAM, IS WANTED IN CONNECTION WITH BAITHALNGSO PS CASE No. 33/2021, US 365/379 IPC, WHO HAS BEEN MISSING SINCE 04/06/2021

IF ANY INFORMATION REGARDING THE MISSING PERSON SRI RITU BORA IS AVAILABLE, PLEASE CONTACT WITH THE FOLLOWING ADDRESS OR NEAREST POLICE STATION. INFORMERS WILL NE SUITABLY REWARDED.

1. CID OFFICE CONTROL ROOM : 0361-2529782
2. INVESTIGATING OFFICER : 7002324479
3. NEAREST POLICE STATION :

Sd/-
Spl. Superintendent of Police, CID, Assam, Ulubari, Guwahati

-- Janasanyog /D/875/24/21-May-24

लंका में लगी आग, लाखों का नुकसान

होजाइ (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत लंका में लगी आग में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आग लंका के करैअनी बाजार में लगी। हादसे में आठ व्यापारिक प्रतिष्ठान पूरी तरह से जल गए। आग में नकदी सहित लाखों रुपए के नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। आशंका जताई जा रही है कि आग करैअनी बाजार से सटे एक शिक्षण संस्थान के कचड़े के ढेर से लगी। घटना की सूचना पाकर पहुंची अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियों ने पहुंचकर कड़ी मशककत के बाद आग पर काबू पाया।

प्रागज्योतिषपुर चलो अभियान का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान असम की शिशु शिक्षा समिति ने विद्यालय द्वारा संचालित प्रत्येक विद्यालय में सोमवार सुबह प्रागज्योतिषपुर चलो अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन शंकरदेव शिशु निकेतन, उत्तर गुवाहाटी के परिसर में किया गया। कार्यक्रम में गौहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुदेष्णा भट्टाचार्य ने कहा कि इतने सारे विश्वविद्यालय होने के बावजूद प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय क्यों शुरू करना पड़ा, क्योंकि यह विश्वविद्यालय प्राकृतिक वातावरण में बना है। उन्होंने प्रत्येक छात्र को इस विश्वविद्यालय में आने के लिए आमंत्रित किया। निकेतन की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुलेन बोड़ो ने छात्रों को 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इस विश्वविद्यालय में दाखिला लेने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी ने किया।

जंगली हाथियों के उपद्रव से ग्रामीण परेशान

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के पश्चिम बिलासीपाड़ा आलूपाड़ा इलाके में जंगली हाथियों का एक झुंड प्रवेश कर जमकर उपद्रव मचाया। स्थानीय लोगों ने सोमवार को बताया कि बीती रात जंगली हाथियों का एक झुंड गांव प्रवेश कर आलूपरा मध्य विद्यालय के अंदर रखे गए मध्यान्ह भोजन का चावल खा गए। वहीं हाथियों का झुंड कई घरों में प्रवेश कर घर में रखे को भी हाथी खा गया। आरोप लगाया गया है कि हाथियों के झुंड को खदेड़ने के लिए स्थानीय लोगों ने बार-बार वन विभाग को अवगत किया लेकिन, वन विभाग समय पर नहीं पहुंचा। अंततः गांव वाले एकत्र होकर अपने स्तर पर हाथी के झुंड को वनांचल की ओर खादेड़ दिया।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सोनापुर थाना क्षेत्र के कपालकाटा में हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि, हादसे में घायल दो लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को गुवाहाटी से नगांव की ओर जा रही बाइक (एएस-01एफयू-7408) समता की ओर से गलत दिशा में आ रही स्कूटी (एएस-01डीए-9420) से जा टकराई। जिसकी वजह से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सोनपुर यातायात पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सोनपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने स्कूटी चालक को मृत घोषित कर दिया। स्कूटी चालक की पहचान वैशव कठार के रूप में की गई है। वहीं, सड़क हादसे में घायल मायंग के शहीदुल अली और उदालगुड़ी के महीदुल अली को उन्नत चिकित्सा के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) भेजा गया है।

पृष्ठ एक का शेष

हेलिकॉप्टर हादसे में ...

अधिकारियों ने रायसी और उनके साथ सवार लोगों के शहीद होने की पुष्टि की है। ईरान सरकार जल्द ही आधिकारिक बयान जारी करेगी। रईसी का जन्म 1960 में उत्तर पूर्वी ईरान के पवित्र शहर मशहद में हुआ था। रईसी के पिता मौलवी थे। रईसी जब पांच साल के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। वह धार्मिक स्कॉलर और वकील भी रहे। इब्राहिम रईसी ने जब जून 2021 में ईरान की सत्ता संभाली तब उनके सामने घरेलू स्तर पर कई चुनौतियां थीं। उन्हें 20 साल की उम्र में ही तेहरान के करीब स्थित कराज का महा अभियोजक नियुक्त किया गया था। 1989 से 1994 के बीच रईसी तेहरान के महा अभियोजक रहे और इसके बाद 2004 से अगले एक दशक तक न्यायिक प्राधिकरण के उप प्रमुख रहे। वर्ष 2014 में वो ईरान के महाभियोजक बनाए गए।

मोहम्मद मोखबर होंगे ...

हार्दिक संवेदना। दुख की इस घड़ी में भारत ईरान के साथ खड़ा है। सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी और विदेशमंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन व अन्य के निधन पर शोक संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति राइसी ने अपना संपूर्ण जीवन ईरान और इस्लाम की निरंतर सेवा में बिताया। राइसी ने अन्य सभी विचारों से ऊपर, लोगों की भलाई और संतुष्टि को प्राथमिकता दी, जो ईश्वर की संतुष्टि के बराबर है। खामेनेई ने कहा है कि ईरान ने एक ईमानदार, समर्पित और मूल्यवान सेवक खो दिया। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर का मलबा सुबह अजरबैजान की पहाड़ियों पर मिला। हेलीकॉप्टर में राष्ट्रपति के साथ ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन समेत नौ लोग सवार थे। रईसी 19 मई की सुबह अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ एक बांध का उद्घाटन करने गए थे। लौटते वक्त अजरबैजान की सीमा के करीब ईरान के वरजेघन शहर में यह हादसा हुआ। उनका हेलीकॉप्टर रविवार शाम 7:30 बजे अजरबैजान के पास लापता हो गया था। हेलीकॉप्टर में राष्ट्रपति रईसी, विदेश मंत्री होसैन के अलावा पूर्वी अजरबैजान प्रांत के गवर्नर मलिक रहमती, तबरीज के इमाम मोहम्मद अली अलेहाशेम, एक पायलट, को-पायलट, क्रू चीफ, हेड ऑफ सिक्योरिटी और बॉडीगार्ड सवार थे। ईरान के आपदा प्रबंधन संगठन प्रमुख मोहम्मद हसन नामी ने कहा है कि राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और उनके प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के शवों की पहचान कर ली गई है। डीएनए परीक्षण कराने की कोई आवश्यकता नहीं है। रईसी का जन्म 1960 में उत्तर पूर्वी ईरान के पवित्र शहर मशहद में हुआ था। रईसी के पिता मौलवी थे। रईसी जब पांच साल के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया था। वह धार्मिक स्कॉलर और वकील भी रहे। इब्राहिम रईसी ने जब जून 2021 में ईरान की सत्ता संभाली, तब उनके सामने घरेलू स्तर पर कई चुनौतियां थीं। उन्हें 20 साल की उम्र में ही तेहरान के करीब स्थित कराज का महा अभियोजक नियुक्त किया गया था। 1989 से 1994 के बीच रईसी तेहरान के महा अभियोजक रहे और इसके बाद 2004 से अगले एक दशक तक न्यायिक प्राधिकरण के उप प्रमुख रहे। वर्ष 2014 में वो ईरान के महाभियोजक बनाए गए।

एक मुर्गे ने ली ...

इसके बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन में टीम ने कुएं के अंदर से तीनों लोगों की लाश निकाली गईं। जानकारी के अनुसार, कुएं के अंदर जहरीली गैसों से दम घुटने के कारण की कारण उन तीनों की मौत हुई है। एसपी कछार नुमल महत्ता ने कहा, यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कुएं के अंदर एक आदमी गिर गया था। उसको बचाने के लिए और भी दो आदमी उतारे थे। फिर तीनों आदमियों का कोई पता नहीं चल रहा था। फिर उनके परिजनों ने पुलिस-प्रशासन को सूचित किया तब हमारी एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीम ने घटनास्थल पहुंचकर कुएं से तीनों की लाश निकाली। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज में भेज दिया गया है।

ओडिशा के सीएम...

परेशान हैं। आज भी युवा रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस चुनाव के दौरान, दुनिया भर के कई विशेषज्ञ भारतीय मतदाताओं की नब्ज टटोलने के लिए देश भर में घूम रहे हैं। जनता के समर्थन और आशीर्वाद से हर कोई चकित है। हर कोई मोदी सरकार को तीसरी बार वापस लाना चाहता है, इमसें खासकर हमारी माताओं, बहनों और युवाओं के उत्साह दिख रहा है। यहां एक ही नारा गूंज रहा है ओडिशा में पहली बार डबल इंजन सरकार। ओडिशा की खस्ता हालत को देखकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतने समृद्ध ओडिशा के लोग इतने गरीब क्यों हैं? इसकी वजह बीजद सरकार है। बीजद में छोटे-छोटे नेता भी करोड़पति बन गए हैं। ओडिशा की बीजद सरकार करोड़पति नहीं बन पाई है। आपको राज्य की खनिज संपदा का लाभ मिले। मोदी ने एक नई खनन नीति बनाई है। इसके तहत, ओडिशा को अधिक रॉयल्टी मिलती है। मोदी ने एक जिला खनिज निधि बनाई है ताकि यहां निकाले जाने वाले प्रत्येक खनिज का एक हिस्सा स्थानीय विकास के लिए इस्तेमाल किया जा सके। रत्न भंडार की चाबियां गायब होने पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजद सरकार में भगवान जगन्नाथ का मंदिर भी सुरक्षित नहीं है। पिछले छह साल से श्री रत्न भंडार की चाबी का कोई पता नहीं है। इसके पीछे एक बड़ा राज बीजद सरकार और मुख्यमंत्री के करीबी छिपा रहे हैं। पूरा ओडिशा जानना चाहता है कि जांच रिपोर्ट में ऐसा क्या है जो बीजद ने इसे दबा दिया है। बीजद की चुप्पी से लोगों का संदेह गहरा रहा है। मैं आज आपको विश्वास दिलाता हूं कि ओडिशा में भाजपा की सरकार बनते ही सच्चाई सामने आ जाएगी। भाजपा सरकार जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करेगी। उन्होंने कहा कि जो लोग ओडिशा की धरोहरों के प्रति संवेदनशील नहीं हैं, वे इसकी रक्षा भी नहीं कर सकते। ओडिशा के बच्चे ही ओडिशा का तीव्र विकास कर सकते हैं। इसीलिए मोदी ने आपको गारंटी दी है। आप यहां भाजपा की सरकार बनाएं और भाजपा ओडिशा के किसी बेटे या बेटी को ओडिशा का मुख्यमंत्री बनाएगी। और आप शपथ ग्रहण समारोह की तारीख जानते हैं, है ना 10 जून को डबल इंजन सरकार यहां शपथ लेगी। कटक में अपनी दूसरी जनसभा में, प्रधानमंत्री मोदी ने बीजद की आलोचना करते हुए कहा कि ओडिशा उनके भ्रष्टाचार से तंग आ गया है। वे चिट-फंड जैसे घोटालों से गरीबों को धोखा देते हैं। बीजद ने क्या किया है? भूमि, रेत, कोयला और खनन माफिया उनके विधायकों और मंत्रियों के अधीन बुनियादी ढांचा, निवेश और नौकरियां कैसे पनप सकती हैं? कार्यक्रम में बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मोदी सरकार शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पिछले 10 वर्षों में, ओडिशा को आईआईएम, आईआईएसईआर बेरहामपुर और इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी - भुवनेश्वर जैसे संस्थान मिले हैं। ऐसे अनेक संस्थान स्थापित किए गए हैं। प्रौद्योगिकी और कपड़ा से लेकर इथेनॉल तक, मोदी सरकार ने हर क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने विकास और विरासत के बारे में भी बात की, जो भाजपा के एजेंडे का हिस्सा है। उन्होंने दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन का उल्लेख किया, जहां विश्व नेताओं ने कोणार्क सूर्य मंदिर के रथ के पहिये के सामने तस्वीरें खिंचवाईं। इस घटना ने कोणार्क का गौरव पूरी दुनिया में फैला दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ओडिशा में डबल इंजन सरकार सुनिश्चित करने के लिए, भाजपा उम्मीदवारों को विधायक और सांसद के रूप में चुनें, और उन्हें क्रमशः भुवनेश्वर और दिल्ली भेजें। साथ ही, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप घर-घर जाएं और सभी को मोदी का नमस्कार दें।

असम में 40 बांग्लादेशी ...

ईसीआई को असम के लोगों के खिलाफ उनकी अस्वीकार्य टिप्पणियों के लिए हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। इससे पहले असम के सीएम ने रांची में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा था कि असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों की आबादी 1.25 करोड़ है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में 126 सदस्यीय विधानसभा में 40 विधायक बने। इससे असम में बड़ा विवाद खड़ा हो गया और कई विपक्षी नेता भाजपा नेता की आलोचना करते नजर आए। इस बीच हुसैन ने यह भी आरोप लगाया कि असम में चुनाव खत्म होने के तुरंत बाद आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू गईं। पिछले कुछ दिनों में कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और राज्य सरकार मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। इसके बजाय सत्तारूढ़ दल राजस्व उत्पन्न करने के लिए लोगों को अधिक शराब पीने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा है। यह स्वीकार्य नहीं है।

दिल्ली की सभी ...

डरते हैं। उन्होंने कहा कि पीओके भारत का है, रहेगा और हम उसे वापस लेकर रहेंगे। शाह ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कहते हैं कि दिल्ली और राजस्थान की जनता का कश्मीर से क्या लेना-देना है। शाह ने कहा कि खड़गे भले ही 80 वर्ष के हो गए लेकिन भारत को जान नहीं पाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान दे सकता है। कांग्रेस पार्टी ने 70 साल तक अनुच्छेद 370 को अपने बच्चे की तरह पाल कर रखा। नरेंद्र मोदी को आपने दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दिलाई। मोदी ने 05 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद-370 को समाप्त कर कश्मीर को आतंकवाद से मुक्त करने का काम किया। आज जम्मू-कश्मीर में किसी को कंकर चलाने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में आज परिवर्तन देखिए- पहले आजादी के नारे कश्मीर में लगते थे, आज पीओके में लगते हैं। पहले पथराव यहां होता था, आज वहां स्ट्राइक हो रही है। पहले यहां टूरिस्टों को आने नहीं देते थे, आज पाकिस्तान में आटे खाने के भी लाले पड़ रहे हैं। यह परिवर्तन नरेंद्र मोदी के कारण आया है। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि राहुल कहते हैं कि उनकी पार्टी अनुच्छेद-370 को बहाल करेगी। मोदी ने तीन तलाक को खत्म कर दिया है, लेकिन राहुल का दावा है कि अगर वे सत्ता में आए तो तीन तलाक को बहाल करेंगे। मोदी नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लाए और पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देना चाहते हैं। हालांकि, राहुल का दावा है कि वे सीएए को रद्द कर देंगे। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा कि भारत में राहुल और अरविंद केजरीवाल का कोई समर्थन नहीं करता। भारत से ज्यादा पाकिस्तान में उनके समर्थक हैं। शाह ने भ्रष्टाचार के मामले में जमानत पर केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने आज तक केजरीवाल जैसा यू-टर्न लेने वाला आदमी नहीं देखा। उन्होंने नौकरी छोड़कर एनजीओ बनाया और शपथ लेकर कहते थे कि हम राजनीति में नहीं आएंगे और पार्टी बना ली। वो कहते थे मैं कभी मुख्यमंत्री नहीं बनूंगा मुख्यमंत्री बने। वो कहते थे दिल्ली में कांग्रेस की सरकार गिराकर उन्हें जेल में डालेंगे आज सत्ता के लिए वो खुद कांग्रेस की गोदी में बैठकर साथ में चुनाव लड़ रहे हैं। वो कहते थे वीवीआईपी सिक्योरिटी, गाड़ी, आवास नहीं लेंगे, आज वो सिक्योरिटी, गाड़ी लेने के साथ ही 125 करोड़ का शीश महल बना लिया। इनके भ्रष्टाचार की सूची तो बहुत बड़ी है। भ्रष्टाचार के मामले में जेल जाने के बावजूद इस्तीफा नहीं देने के लिए केजरीवाल की नैतिकता पर सवाल उठाते हुए शाह ने कहा कि केजरीवाल एक बेशर्म व्यक्ति हैं। भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें जेल भेजा गया लेकिन उन्होंने सीएम की कुर्सी नहीं छोड़ी। अब समय आ गया है कि अरविंद केजरीवाल जैसे पाखंडी व्यक्ति को बेनकाब किया जाए। स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट की घटना का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास में किसी राज्यसभा सांसद की पिटाई हो क्या वो दिल्ली की महिलाओं को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ऑड-ईवन में विश्वास रखते हैं। ऑड दिन वह भ्रष्टाचारियों की सूची बनाकर भ्रष्टाचार पर व्याख्यान देते हैं। ईवन दिनों में, वह भ्रष्टाचारियों के साथ घमंडिया गठबंधन बनाते हैं और इंडी गठबंधन का हिस्सा बन जाते हैं। ऑड दिनों में वह इस्तीफा मांगते हैं, लेकिन ईवन दिनों में उन्हें जेल भेज दिया जाता है, लेकिन वह इस्तीफा नहीं देते। अमित शाह ने कहा कि केजरीवाल की थ्री-जी सरकार है। पहला जी-घोटालों का, दूसरा जी-घूसखोरी का और तीसरा जी-घपलेबाजी का है। शाह ने कहा कि केजरीवाल दुनिया भर में अपने काम का झूठा ढिंढोरा पिटते हैं, लेकिन दिल्ली की बजट का सबसे बड़ा हिस्सा विज्ञापन में खर्च करते हैं।

काशी से कामाख्या...

चीन की सीमा मिल जाने के बाद भारत को काफी पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। यात्रा में राजस्थान से आए विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी रामानंद पाठक ने कहा कि तिब्बत पर चीन का कब्जा हो जाने के बाद से भारतवासियों को अपने ही आराध्य का दर्शन करने के लिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने के लिए बीजा और पासपोर्ट की आवश्यकता पड़ रही है। अतः किसी भी कीमत पर तिब्बत की मुक्ति जरूरी है, ताकि हम बिना किसी अवरोध के कैलाश मानसरोवर की यात्रा कर सके। यात्रा में काशी से आए प्रतिनिधि मंडल के सदस्य डॉ. प्रतिमा मिश्रा, सूरुचि प्रिया एवं कृष्ण प्रिया ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस पांच दिवसीय यात्रा के दौरान यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

तेज रफ्तार पिकअप...

पहुंचाया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जानकारी के अनुसार ग्रामीण जंगल में तेंदुपत्ता तोड़ने गए हुए थे। दोपहर के वक्त तेंदुपत्ता तोड़ कर गांव की महिला और पुरुष पिकअप वाहन में सवार होकर वापस गांव की तरफ लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे के वक्त पिकअप में लगभग 25 लोग सवार थे। इनमें से घटनास्थल पर 15 ग्रामीणों की मौत हो गई। वहीं, घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां चार और की मौत हो गई। पुलिस की टीम मौके पर राहत बचाव कार्य के लिए पहुंच गई। कवर्धा एसपी अभिषेक पल्लव ने बताया कि दुर्घटना में कुल 15 ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हुई है, जिनमें 14 महिला और एक पुरुष है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। उधर कवर्धा हादसे में 19 लोगों की दुखद मौत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव ने संवेदना व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया में जारी अपने बयान में कहा है कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा है कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुई बस दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों को स्थानीय प्रशासन हरसंभव सहायता पहुंचा रहा है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं । मुख्यमंत्री साय ने एक्स पर लिखा है कि कबीरधाम जिले के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास पिकअप पलटने से मीणों के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। घायलों के बेहतर इलाज के आवश्यक निर्देश जिला प्रशासन को दिए गए है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवार के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। कवर्धा के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया है कि यह घटना कवर्धा के कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास की है। सोमवार दोपहर बाद सेमहारा गांव के लोग जंगल से तेंदूपत्ता तोड़कर वापस लौट रहे थे। लौटते समय इनका पिकअप अनियंत्रित होकर 20 फीट गड्ढे में गिरकर पलट गया। पिकअप वाहन में कुल 25 लोग सवार थे। कुल 19 लोगों की मौत इस हादसे में हो गई है। 14 लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि पांच घायल लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में 18 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। जबकि 3 लोग जख्मी हैं। ये सभी बैगा आदिवासी हैं। पुलिस टीम और स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

लोस चुनाव : पांचवें ...

जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट पर मतदान हुआ। इसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की और आतंक प्रभावित इस क्षेत्र में पहली बार 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। चुनाव आयोग के अनुसार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में 38.49 प्रतिशत के रिकॉर्ड मतदान के बाद बारामूला संसदीय क्षेत्र अब पिछले 8 लोकसभा चुनावों में सबसे अधिक मतदान की ओर अग्रसर दिख रहा है। बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपोरा और बडगाम जिलों में शाम 5 बजे तक 54.21 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के लागू होने के बाद घाटी में यह पहला आम चुनाव था। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने साथी चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ चुनाव के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन में नागरिक और सुरक्षा कर्मियों दोनों के प्रयासों की सराहना की और जम्मू-कश्मीर के मतदाताओं की उत्साही भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। आयोग ने कहा कि यह एक स्पष्ट संदेश है कि जम्मू-कश्मीर के लोग मताधिकार का प्रयोग करने और शासन की लोकतांत्रिक प्रणाली में अपनी हिस्सेदारी रखने के लिए उत्सुक हैं। आकड़ों के अनुसार बारामूला की इस सीट पर 1989 में 5.48 प्रतिशत, 96 में 46.65 प्रतिशत, 98 में 41.94 प्रतिशत, 99 में 27.79 प्रतिशत, 2004 में 35.65 प्रतिशत, 09 में 41.84 प्रतिशत, 14 में 39.14 प्रतिशत और 2019 में 34.6 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं श्रीनगर सीट पर 1989 में निर्विरोध निर्वाचन, 96 में 40.94 प्रतिशत, 98 में 30.06 प्रतिशत, 99 में 11.93 प्रतिशत, 2004 में 18.57 प्रतिशत, 09 में 25.55 प्रतिशत, 14 में 25.86 प्रतिशत और 2019 में 14.43 प्रतिशत मतदान हुआ था। आयोग ने दिल्ली, जम्मू और उधमपुर के विभिन्न राहत शिविरों में रहने वाले कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं को भी निर्दिष्ट विशेष मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत रूप से मतदान करने या डाक मतपत्र का उपयोग करने का विकल्प दिया है। जम्मू में 21, उधमपुर में 1 और दिल्ली में 4 विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए गए।

अहमदाबाद हवाई अड्डे ...

बजे इस मामले में खुलासा कर सकती है कि वे अहमदाबाद एयरपोर्ट क्यों आए थे? जानकारी के मुताबिक गुजरात एटीएस ने इससे पहले भी एक कार्रवाई में ऐसे पांच लोगों को हिरासत में लिया था, जो लोग आईएस खुरासान से जुड़े थे। उसी समय गुजरात एटीएस को सूचना मिली कि तीन लोग पोरबंदर समुद्री रास्ते से अफगानिस्तान और वहां से ईरान जाने की फिराक में हैं। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि देश में बड़ा आतंकी हमला करने इरादे से इन्हें श्रीलंका से भारत भेजा गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये श्रीलंका से चेन्नई अहमदाबाद पहुंचे थे।

मैं रामकृष्ण मिशन ...

आई हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या कहा? मैंने जो कहा कि जयारामबाटी सारदा मां का जन्म स्थान है। मैं कई बार गई हूं। आप (मोदी) कितनी बार आए हो? ममता ने कहा कि मैं रामकृष्ण मिशन के खिलाफ क्यों बोलूंगी? मैं रामकृष्ण मिशन के खिलाफ नहीं हूं। मैंने दो विशेष लोगों का उल्लेख किया है। उनमें से एक हैं कार्तिक महाराज। मैंने उसके बारे में बात की है क्योंकि मुझे जानकारी मिली है कि वह तृणमूल एजेंटों को बैठने नहीं देते हैं। इलाके में धर्म के नाम पर भाजपा करते हैं। वह चीज (छेना) व्यापारियों को भड़का रहे हैं। सारी खबरें मेरे पास आती हैं। वह राजनीति कर सकते हैं, मुझे कोई आपत्ति नहीं है लेकिन मैं कहूंगी कि अपने सीने पर कमल का फूल रख कर राजनीति करें। ऐसे पीछे से नहीं।

किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिलांतर्गत बरझरा वाटर फाल में प्रेमी-प्रेमिका के साथ मारपीट एवं दुष्कर्म के पांच आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित कई अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए पांचों की पहचान जिरेन सरकार, सेबोराम सरकार, बिल्टू राभा, सुनीत राभा और डालिम बर्मन के रूप में की गई है। बंगाईगांव पुलिस अधीक्षक मोहनलाल मीणा ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में घटना की जानकारी दी।

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति मौत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के नुमलीगढ़ के दो नंबर बुढ़ागोहाईखाट के कल्याणी चाय बागान में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने सोमवार को बताया कि नुमलीगढ़ इलाके में पिछले कई दिनों से जंगली हाथियों का एक झुंड जमकर उपद्र मचा रहा है। बीती रात दो नंबर बुढ़ागोहाईखाट के कल्याणी चाय बागान में हाथी द्वारा किए गए हमले में ससू ऊरांव नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय ससू अपने घर में सो रहा था।

पुलिस ने 35 लाख की धोखाधड़ी मामले में कौशिक दास को किया गिरफ्तार

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर पुलिस ने 35 लाख की धोखाधड़ी और चेक जालसाजी के अरोप में कौशिक दास नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गत 8 फरवरी को शुरू की गई। इस मामले में पुलिस ने एक विस्तृत जांच शुरू की। मिली जानकारी के अनुसार इटानगर के गंगा गांव निवासी टेची निगलो ने अपने स्टेट बैंक अफ इंडिया (एसबीआई) स्थित बैंक खाते से अनाधिकृत हस्तांतरण के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए चिम्पू पुलिस थाना के सब इंस्पेक्टर एसके झा ने जांच शुरू की। इस संबंध में राजधानी के पुलिस अधीक्षक रोहित राजबीर सिंह ने एक बयान में आज बताया है कि जांच के दौरान एसबीआई गंगा शाखा में शिकायतकर्ता की चेक बुक से गायब चेक के पन्ने की बरामदगी और जब्ती हुई। कौशिक दास के पास से एमएस हिता इंटरप्राइजेज का एक लेटर पैड भी मिला, जिसका इस्तेमाल वह टेची निगलो के जाली हस्ताक्षर बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहा था। जांच से पता चला कि धोखाधड़ी वाला चेक एसबीआई गंगा शाखा में जमा किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप बिश्वनाथ चराली शाखा, असम में त्रिदीप सैकिया के एचडीएफसी खाते में 35 लाख रुपए जमा किए किए गए थे। इसके बाद, धनराशि के कुछ हिस्से को दूसरे एसबीआई खाते राजीव दास के खाते में फिर से स्थानांतरित कर दिया गया और 20 लाख रुपया नकद भी निकाले गए थे। कौशिक दास, त्रिदीप सैकिया और राजीव दास को मुख्य संदिग्धों के रूप शामिल करते हुए तीनों का पुलिस ने पता लगाना शुरू किया। हालांकि, कौशिक दास और त्रिदीप सैकिया का पता लगाने के पुलिस का प्रयास शुरू में असफल रहा। दोनों अंडरग्राउंड हो गए थे। वहीं राजीब दास उच्च न्यायालय, इटानगर स्थायी पीठ से अंतरिम जमानत मिलने के बावजूद पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहा था। आगे की निकासी को रोकने के लिए, लाभार्थी के खाते में शिकायतकर्ता को लौटाए जाने तक 22 लाख रुपए के डेबिट-फ्रीज कर दिए गए थे। वहीं गत 18 मई को कौशिक दास को गुवाहाटी से गिरफ्तार करने के बाद पुलिस को काफी सबूते मिल गए। एसपी सिंह ने कहा कि कौशिक को उसके साथियों की पहचान करने और पकड़ने के लिए आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

कछार में 4000 याबा टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार में 4000 याबा टैबलेट के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कलैन मार्केट में रविवार की रात एक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आकाश बैशांब (कलेन) नामक एक व्यक्ति को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से कुल 4000 याबा टैबलेट बरामद किया गया। जब्त टैबलेट की काले बाजार में कीमत एक करोड़ 20 लाख रुपए आंका गया है। बाद में सभी बरामद नशीले दवाओं को गवाहों की उपस्थिति में एक मोटर साइकिल (एएस-11वाई-0353) के साथ जब्त कर लिया गया। अभियुक्त को आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए थाना लाया गया।

मिजोरम में हथियारों के साथ गिरफ्तार सीडीएफ कैडर

एजल (हिंस)। मिजोरम में एक चिन रेजिस्टेंस फोर्स (सीडीएफ) कैडर को हथियारों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। यह गिरफ्तारी असम राइफल्स द्वारा मिजोरम के सियाहा जिले के तुईपांग गांव से की गई। गिरफ्तार कैडर गोला-बारूद और हथियार आदि ले जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स ने एक अभियान चलाकर उसे गिरफ्तार किया। असम राइफल्स के सूत्रों ने आज बताया कि तुइपांग रोड चौराहा पर पहले से ही तैनात असम राइफल्स की मोबाइल चेक पोस्ट (एमवीसीपी) टीम द्वारा चेक पोस्ट पर उसके केनबो बाइक को रोका गया। बाइक की ली गई तलाशी के दौरान उसके अंदर छुपाकर रखे गए 12 गेज शॉटगन कारतूस के 170 राउंड, चौदह बाओफेंग रेडियो सेट, सामरिक गियर और चौदह रेडियो सेट चार्जरों का एक केश मिला। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की जांच से पता चला कि वह सीडीएफ का सदस्य है। उसे भारत-म्यांमार सीमा के पार इन हथियारों को ले जाने का काम सौंपा गया था। जब्त किए गए सामानों के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे तुईपांग थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

एनआईए ने किया मानव तस्कर हन्नान मियां को गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मानव तस्करी के मोस्ट वांटेड अपराधी हन्नान मियां (40) को गिरफ्तार लिया। एनआईए की एक टीम ने त्रिपुरा के विशालगढ़ पुलिस के साथ मिलकर उसे पकड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। ज्ञात हो कि उसे पकड़ने के लिए 1 लाख रुपए का नकद इनाम एनआईए द्वारा मुकर्रर किया गया था। उसपर वेश्यावृत्ति रैकेट चलाने, फर्जी भारतीय दस्तावेज बनाने और अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल होने के साथ ही किशोर लड़कियों का शोषण करने का आरोप था।

ड्रग्स समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टॉक्स फोर्स (एसटीएस), असम की एक टीम ने गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खाना पाड़ा इलाके में अभियान चलाकर दो ड्रग्स तस्करों को ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने सोमवार को बताया कि इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में दिसपुर थाना क्षेत्र के गरम बाजार के पिछले हिस्से में चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया। 29 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर भर कर रखे गए ड्रग्स बरामद किए गए हैं। बरामद ड्रग्स का वजन लगभग 42 ग्राम बताया गया है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों की पहचान जमुना कर (35, खानापाड़ा) और विशाल छेत्री (25, जोराबाट) के रूप में की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से ड्रग्स के अलावा पांच मोबाइल फोन और नगद 6600 रुपए, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड आदि जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों को एसटीएफ की टीम ने दिसपुर पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

वाघमाराचर में 998 नंबर धारवास्य प्राथमिक विद्यालय के पुस्तकालय का उद्घाटन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के मंडिया शिक्षा खंड के अंतर्गत बाघमाराचर की धारावस्या प्राथमिक विद्यालय संख्या 998 में संपूर्ण शिक्षा के माध्यम से 15,68,000,000 रुपए की लागत से निर्मित बच्चों और किशोरों के लिए पुस्तकालय गृह का आज औपचारिक उद्घाटन किया गया। लाइब्रेरी हाउस लॉन्च से पहले कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों में स्कूल के पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष जसमत अली परिचालित प्रबंधन को एक समारोह में सम्मानित किया गया। बाघमारचर की ग्राम पंचायत की अध्यक्ष आकलीमा खातून विशिष्ट अतिथि थीं और उन्होंने औपचारिक रूप से लाल रिबन काटकर पुस्तकालय भवन का उद्घाटन किया। समारोह में स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रफीकुल इस्लाम, स्कूल के प्रधानाध्यापक किशोर कुमार दास और सेवानिवृत्त शिक्षक अब्दुल बारिक, शिक्षक नजमुल हक, स्कूल के पूर्व छात्र संघ के सचिव काबिलउद्दीन ने भाग लिया। इस अवसर पर बाघमारचर समाज कल्याण परिषद के अध्यक्ष इनामुल हक, सचिव जाहिदुल इस्लाम, बाघमारचर छात्रसंघ के सचिव साबान अली सहित क्षेत्र के कई अन्य प्रमुख लोग मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर उपस्थित बाघमारचर समाज कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधियों ने विभागीय अधिकारियों से प्रत्येक सरकारी स्कूल में ऐसे बच्चों और किशोरों की लाइब्रेरी उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकारी स्कूलों, विशेषकर बरपेटा जिले के चार क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग की थी।

रंगिया : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल का कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

रंगिया (विभास)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल ने रविवार को रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त बिरदत्त भवन प्रांगण अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल के असम प्रदेश प्रांतीय और जिला कार्यकर्ता सम्मेलन की बैठक आयोजित की। सम्मेलन में राज्य के विभिन्न हिस्सों से 500 से भी अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक अध्यक्ष तथा कर्कट रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण तोगड़िया, केंद्रीय कोषाध्यक्ष विजय रेड्डी, बजरंग दल के राष्ट्रीय महासचिव मनोज साहू, प्रदेश सचिव दिनेश कलिता सहित प्रदेश के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। अपने भाषण में संस्थापक अध्यक्ष डॉ. तोगड़िया ने हिंदुओं की सुरक्षा के लिए देश के सभी गांवों में

हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने और गरीब हिंदुओं को मुफ्त चावल, चिकित्सा और सेवावाहिनी सेवाएं प्रदान करने का वादा किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के लिए एक साल के कार्यक्रम की घोषणा की और संकल्प पाठ करवाया। डॉ. तोगड़िया ने असम को मुगल आक्रमण से बचाने वाले लाचित बरफुकन के नाम पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नागरिकता विधेयक का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि विदेशों में धर्म के नाम पर प्रताड़ित किए गए हिंदुओं, ईसाइयों, सिखों और जैनियों को नागरिकता देना जरूरी है। हालाँकि, विदेशों से हिंदू बंगालियों का बोझ केवल असम पर नहीं डाला जाना चाहिए, बल्कि इसे गुजरात और पंजाब जैसे राज्यों द्वारा भी साझा किया जाना चाहिए। सम्मेलन से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रंगिया सोसायटी चौक, मुरारा से सांस्कृतिक शोभायात्रा के साथ पार्टी के केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व का स्वागत किया।

एक शिक्षक जीवन भर विद्यार्थी रहता है : डॉ. सुदेष्णा भट्टाचार्य

गुवाहाटी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, असम की शिशु शिक्षा समिति ने विद्यालय द्वारा संचालित प्रत्येक विद्यालय में सुबह के 11 बजे प्रागज्योतिष चलो अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन शंकरदेव शिशु निकेतन उत्तर गुवाहाटी के परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 11 बजे गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुदेष्णा भट्टाचार्य ने दीप जलाकर किया। अपने गर्मजोशी भरे भाषण में उन्होंने बताया कि इतने सारे विश्वविद्यालय होने के बावजूद प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय क्यों शुरू करना पड़ा। यह विद्यालय प्राकृतिक वातावरण में बना है। उन्होंने प्रत्येक छात्र को इस विश्वविद्यालय में आने के लिए आमंत्रित किया। बैठक की अध्यक्षता निकेतन की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुलेन बोड़ो ने की। उन्होंने छात्रों को बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इस विश्वविद्यालय में दाखिला लेने की भी सलाह दी। बैठक का संचालन विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी ने किया। बैठक में न्यूज लाइव संवाददाता दिगंता बारदोलोई, डेली असम संवाददाता रूपक डेका, डेली बार्ता

संवाददाता उत्पल तामुली और आनंदराम बरुआ भाषा कला और संस्कृति अनुसंधान केंद्र ने भाग लिया। बैठक में छात्रों को नॉर्थ गुवाहाटी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की त्रैमासिक पत्रिका *कलम* वितरित की गई। बैठक के अंत में सुदेष्णा भट्टाचार्य ने शिक्षकों से इस अभियान में भाग लेने का अनुरोध किया। असम के अलग-अलग स्थानों पर प्रचार अभियान का शुभारंभ किया गया। शंकरदेव विद्या निकेतन में शिशु शिक्षा समिति, असम के साधारण संपादक कुलेंद्र कुमार भागवती, विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के संगठन मंत्री नीरव घेलानी लखीमपुर में इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों, जैसे त्रिपुरा में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी एवं मंत्री डॉ. जगदींद्र रायचौधरी तथा कई स्थानीय अधिकारियों ने प्रचार अभियान का शुभारंभ किया। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नगालैंड तथा मेघालय से प्राप्त सूचना के अनुसार उन प्रांतों में भी प्रचार अभियान का शुभारंभ किया गया। बताते चलें कि यह संपर्क अभियान अगली 25 मई तक चलेगी।

एक ही रात में तीन जगह चोरी

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के गाड़ीगांव इलाके में एक रात में चोरों द्वारा तीन स्थानों पर चोरी किए जाने का मामला सोमवार सुबह सामने आया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इन दिनों जिले के विद्यालय, घर और व्यापारिक प्रतिष्ठान को चोर लगातार निशाना बना रहे है। इसी कड़ी में बीती रात गाड़ीगांव इलाके में चोरों द्वारा तीन स्थान पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। एक घर से चोरों ने एक एक बाइक और स्कूटी चोरी की। वहीं चोरों द्वारा गाड़ीगांव उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश कर कई सामान चुरा लिए गए। साथ ही इलाके में स्थित एक व्यापारिक प्रतिष्ठान में भी चोरों ने जमकर चोरी की। तीनों मामलों की अलग-अलग शिकायत मिलने के बाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रंगिया : पदुम कुंवरी गांव पंचायत में हेपेटाइटिस बी और सी रक्त नमूना जांच शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत रंगिया के पदुम कुंवरी गांव पंचायत के अंतर्गत बनगांव आंगनबाड़ी केंद्र में सोमवार को वायरल हेपेटाइटिस की जांच शिविर का अयोजन किया गया। कामरूप जिले के एनवीएचपिसी- आईडीएसपी, डीएसयू के तत्वावधान में तथा रंगीया महकमा सिविल अस्पताल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में हेपेटाइटिस बी और सी की जांच के लिए रक्त का परीक्षण किया गया। इस दौरान अंचल के कुल 26 पुरुष और महिलाओं ने अपने रक्त की जांच करवाई। मौके पर कामरूप जिले के आईडीएसपी और नोडल अधिकारी पराग देब रॉय, रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य, विभाग की

कामरूप जिला सलाहकार मणिकंकना लहकर शर्मा, जिला अनुजीव अधिकारी और रंगिया महकमा सिविल अस्पताल के आरटीपीसीआर प्रभारी अधिकारी श्रुतिका श्रावर्णा कटकी सहित कई अधिकारियों की उपस्थिति रहे। वहीं शिविर के सफल संचालन में प्रयोगशाला तकनीशियन म. राजू अली, एएनएम अनिता कलिता, आशाकर्मी पंचमी कलिता और अनवरा बेगम का सहयोग रहा।

टैक्स बार एसोसिएशन गुवाहाटी ने एसजीएसटी विभाग को ज्ञापन सौंपा

गुवाहाटी। सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के नेतृत्व में टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज असम के प्रधान राज्य कर आयुक्त पल्लव गोपाल झा से न्यू कर भवन, गणेशगुड़ी, गुवाहाटी स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की तथा नोटिस (डीआरसी-01) और मांग आदेश (डीआरसी-07) से संबंधित मुद्दों पर एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में सचिव सीए गोपाल सिंघानिया, अप्रत्यक्ष कर समिति के अध्यक्ष सीए बिकास अग्रवाला, संयुक्त सचिव अधिवक्ता महिपाल सिंह, सीए अनुप कुमार मोर, अधिवक्ता भरत कुमार पुरोहित, अधिवक्ता ज्ञान चंद जैन, सीए मनीष अग्रवाला और सीए विवेक जैन शामिल थे। प्रधान राज्य कर आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल के साथ सभी मुद्दों पर चर्चा की और आश्वासन दिया कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने कहा कि करदाताओं और पेशेवरों को वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए जीएसटी नोटिस और मांग आदेशों में कई मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है और असम के प्रधान राज्य कर आयुक्त ने आज प्रतिनिधिमंडल के साथ मुद्दों पर चर्चा की है और एसोसिएशन को उम्मीद है कि एसोसिएशन द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए उनके द्वारा जल्द से जल्द उचित कदम उठाए जाएंगे।

अतिरिक्त ट्यूशन की आवश्यकता को कम करने के लिए मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में बैठक आयोजित

गुवाहाटी। गुवाहाटी स्थित मॉडर्न इंग्लिश स्कूल और निजी स्कूल नीति नियामक और विकास संगठन, ऑल अचम प्राइवेट स्कूल ने मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की पहल, *क्रिटिकल थिंकिंग: टीचिंग एक्स्ट्रा करिकुलर* स्कूलों, अभिभावकों और शिक्षकों को शामिल करते हुए सहयोगात्मक नीतियों की शुरुआत की तनाव कम करने के लिए। एक प्रारंभिक बैठक की व्यवस्था की गई थी। उल्लेखनीय है कि येतेई ऑल आचम प्राइवेट स्कूल चचेचन (अपचा) का पंजीकृत कार्यालय है। इस बैठक का मुख्य विषय स्कूल में नियमित कक्षाओं के अलावा अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता पर चर्चा करना था। संगठन शिक्षा परिषदों में कौशल-आधारित शिक्षण उत्कृष्टता को भी बढ़ावा देते हैं, जो छात्रों के सीखने के अनुभव को काफी बढ़ा सकता है। इसके अलावा, राज्य प्रॉक्सी प्रशासन व्यवस्था का विरोध करते हैं। बैठक में असम के 19 जिलों के करीब 30 प्रमुखों ने हिस्सा लिया। बैठक का समापन नागरिक निर्वाचन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अमित चंद्रा ने किया। बैठक में एपीसी के अध्यक्ष श्री

शैलेश शर्मा और अन्य शिक्षाविद उपस्थित थे। चिट्टी मोंटेसरी स्कूल की अध्यक्ष और यूसीएल, लंदन विश्वविद्यालय की प्रिंसिपल और एसोसिएट प्रोफेसर प्रोफेसर गीता गांधी इस मुद्दे को आगे बढ़ाने के संभावित तरीकों पर प्रकाश डालने के लिए लंदन में वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक में शामिल हुईं। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा के निदेशक और अपचा के सलाहकार पंकज दास डंगरिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने निजी स्कूलों के सामने आने वाली आम समस्याओं के समाधान पर एक मंच प्रदान किया। संगठन इस वादे को सामूहिक रूप से पूरा करने और राज्य की स्कूली शिक्षा में शामिल सभी प्रमुख हितधारकों के लिए लाभकारी नीतियां बनाने में संबंधित संस्थानों का सक्रिय सहयोग लेने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। अतिरिक्त ट्यूशन की आवश्यकता को कम करने के लिए मॉडर्न इंग्लिश स्कूल द्वारा आयोजित बैठक में असम के 19 जिलों के लगभग 30 प्रिंसिपलों ने भाग लिया। गुवाहाटी, 20 मई: आधुनिक अंग्रेजी स्कूलों और व्यक्तिगत स्कूलों से संबंधित नीतियों को विनियमित करने और तैयार करने के लिए स्थापित एक निकाय, ऑल असम प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने आधुनिक अंग्रेजी स्कूल परिसरों में *महत्वपूर्ण सोच: अतिरिक्त शिक्षा की आवश्यकता को कम करना* की वकालत की है स्कूलों, अभिभावकों और छात्रों के बीच विशेष रूप से, ऑल असम प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन (एपीएसए) का पंजीकृत कार्यालय भी यहीं स्थित है। इस बैठक का मुख्य विषय इस बात पर चर्चा करना था कि छात्रों को नियमित कक्षाओं से परे अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता क्यों महसूस होती है। संस्था शिक्षा बोर्डों द्वारा कौशल-आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देने की भी वकालत करती है, जो छात्रों के सीखने के अनुभव को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है। इसके अलावा संस्था राज्य में चल रही प्रॉक्सी प्रवेश प्रणाली का भी विरोध करती है. बैठक में असम के 19 जिलों के लगभग 30 प्राचार्यों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता सिविल सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने की। अमित चंद्रा द्वारा बैठक में अप्सा अध्यक्ष शैलेश शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सिटी मोंटेसरी स्कूल सोसाइटी के अध्यक्ष और प्रबंधक और यूसीएल, लंदन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, प्रोफेसर गीता गांधी किंगडन इस मुद्दे और इसे दूर करने के संभावित तरीकों पर प्रकाश डालने के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुईं। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा के निदेशक और अपासा के सलाहकार श्री पंकज दास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने व्यक्तिगत स्कूलों के सामने आने वाले सामान्य मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। निकाय इन चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और राज्य में स्कूली शिक्षा में शामिल सभी प्रमुख हितधारकों के लिए लाभकारी नीतियां बनाने के लिए सरकारी संस्थानों का सक्रिय सहयोग चाहता है।

संपादकीय

चीनी-रूसी भाई-भाई

चीनी-रूसी भाई-भाई के नारे एक बार फिर गूंजने लगे हैं, तो क्या 'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के परंपरागत और दोस्ती के नारों पर पुनर्विचार करना चाहिए? यह सवाल अहम और अनिवार्य है, क्योंकि रूस भारत का दशकों पुराना और आजमाया हुआ 'रणनीतिक मित्र' है और चीन हमारा घोषित दुश्मन है। यदि 'दुश्मन' जैसा कड़ा शब्द छोड़ दिया जाए, तो चीन हमारा कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। घुसपैठिया और अतिक्रमणवादी है। आज भी लद्दाख के मोर्चे पर दोनों देशों के हजारों सैनिक तैनात हैं। हर पल युद्ध के हालात बने रहते हैं। कई दौर की बातचीत की गई है, लेकिन वे नाटक लगती हैं, क्योंकि तनाव और अड़ियलपन जस का तस बरकरार है। यह बेहद अजीब स्थिति है कि चीन और भारत 'शत्रुवत' हैं और रूस-भारत घनिष्ठ मित्र हैं। तीसरा समीकरण रूस-चीन का है, जिसे 'अंतरंग दोस्ती' का नाम दिया गया है।

'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के परंपरागत और दोस्ती के नारों पर पुनर्विचार करना चाहिए? यह सवाल अहम और अनिवार्य है, क्योंकि रूस भारत का दशकों पुराना और आजमाया हुआ 'रणनीतिक मित्र' है और चीन हमारा घोषित दुश्मन है। यदि 'दुश्मन' जैसा कड़ा शब्द छोड़ दिया जाए, तो चीन हमारा कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। घुसपैठिया और अतिक्रमणवादी है। आज भी लद्दाख के मोर्चे पर दोनों देशों के हजारों सैनिक तैनात हैं। हर पल युद्ध के हालात बने रहते हैं। कई दौर की बातचीत की गई है, लेकिन वे नाटक लगती हैं, क्योंकि तनाव और अड़ियलपन जस का तस बरकरार है। यह बेहद अजीब स्थिति है कि चीन और भारत 'शत्रुवत' हैं और रूस-भारत घनिष्ठ मित्र हैं। तीसरा समीकरण रूस-चीन का है, जिसे 'अंतरंग दोस्ती' का नाम दिया गया है।

राष्ट्रपति पद की नई शपथ लेने के बाद ब्लादिमीर पुतिन हाल ही में चीन गए थे। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात हुई, शिखर संवाद हुआ और दोनों राष्ट्रपतियों ने साझा बयान भी जारी किया। बेशक चीन-रूस के अंतरंग रिश्तों और रणनीतिक साझेदारी पर शी-पुतिन ने एक बार फिर मुहर लगाई, लिहाजा हुंकार गूंजने लगी-रूसी चीनी भाई-भाई।' यह कोई सामान्य और औपचारिक मुलाकात नहीं थी। इसके कई अंतरराष्ट्रीय अर्थ और आयाम हैं। शी-पुतिन संवाद तथा बयान पर अमरीका खूब तिलमिलाया है, जबकि 'दोनों राष्ट्र भाई' दुनिया में टकराव और युद्ध के हालात के लिए अमरीका को ही 'दोषी' करार देते हैं। रूस और चीन के रिश्ते रणनीतिक तो हैं, लेकिन विचारात्मक संबंध भी ऐसे हैं, जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता। हालांकि अब उनका 'साम्यवाद' और 'वामपंथ' मात्र सतही रह गए हैं। वे भी पूंजीवाद के रास्ते पर हैं और देश के विभिन्न वर्गों में 'गहरी असमानता' है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 'वीटोधारक' सदस्य हैं, लिहाजा एक-दूसरे के हितों और रणनीति की सुरक्षा करते हैं। सुरक्षा परिषद में पेश किए गए प्रस्तावों पर अपनी ही कूटनीति के मुताबिक 'वीटो' करते रहे हैं। रूस-चीन की दोस्ती हथियारों और युद्ध तक ही सीमित नहीं है। वे दुनिया में अमरीका-विरोधी ब्लॉक माने जाते हैं। जिस तरह अमरीका ने प्रशांत महासागर क्षेत्र में जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया के साथ 'क्वाड' संगठन बना रखा है, उसी तर्ज पर रूस-चीन संबंध हैं। रूस और चीन दुनिया में 'शीत युद्ध' की मानसिकता और वैश्विक सुरक्षा में अस्थिरता के लिए अमरीका को ही कसूरवार और जिम्मेदार मानते हैं। भारत के संदर्भ में चीन और अमरीका दोनों ही दोगले हैं। अमरीका चीन के खिलाफ भारत का 'इस्तेमाल' करता रहा है। भारतीय क्षेत्र में चीन ने बार-बार घुसपैठ की है और भारतीय इलाकों पर कब्जे भी किए हैं। चीन अरुणाचल, सिक्किम, हिमाचल आदि इलाकों में कुछ क्षेत्रों को 'चीनी' मानता है, जबकि वे भारत गणतंत्र का हिस्सा हैं। दूसरी ओर यूक्रेन रूस के खिलाफ जंग लड़ पा रहा है, क्योंकि अमरीका मुखौटा पहन कर रणक्षेत्र में है। अमरीका और नाटो देश हथियारों और आर्थिक संसाधनों की मदद यूक्रेन को मुहैया न कराते, तो यूक्रेन कभी का 'मलबा' हो गया होता! अमरीका, यूरोप ने इस युद्ध के जरिए हथियारों का कारोबार भी किया है। अमरीका और पश्चिमी देशों ने रूस पर ऐसे आर्थिक प्रतिबंध थोपे थे कि वह बर्बाद हो जाए, दिवालिया निकल जाए, लेकिन रूस ने अपने दो मित्र देशों-भारत और चीन-की बदौलत अस्तित्व बचाए रखा। बल्कि यूरोप के कई देश गैस, ईंधन की कमी के कारण त्राहि-त्राहि करने लगे। गौरतलब तो यह है कि चीन-रूस की घोषित नई दोस्ती का प्रभाव क्या भारत पर पड़ेगा? भारत रूसी हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों का सबसे बड़ा खरीददार है। कल्पना करें कि भारत-चीन में युद्ध छिड़ जाता है, तो रूस का रुख क्या रहेगा? सर्वोत्तम स्थिति यह होगी कि रूस तटस्थ रहेगा। यदि बदतर हालात बने, तो रूस चीन का समर्थन करेगा, उसे ही सहयोग देगा। फिर 'हिंदी-रूसी भाई-भाई' के ऐतिहासिक और सात दशकों से भी अधिक समय से गूंज रहे नारे का क्या होगा? क्या एक युद्ध ही भारत-रूस के रिश्तों को समाप्त कर देगा? बहरहाल, कूटनीति ऐसा संवेदनशील विषय है कि सरकारों को मंथन करना ही पड़ता है।

राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

ललित गर्ग

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए।

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्ठाओं का पर्दाफाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो वायदें किये, उन्हें पूरा किया। 1990 के दशक और 21वीं शताब्दी के शुरुआती सालों में भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के वादे के साथ सत्ता में आई एवं उसने मन्दिर बना दिया। भाजपा ने ख़ुद को पार्टी विद डिफ़रेंस कहकर भी प्रचारित किया और जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को ख़त्म करने का वादा भी किया। उसने वह भी पूरा किया। पिछले 10 वर्षों में देश ने विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, उसे देश एवं दुनिया खुली आंखों से देख रही है। फिर भी चुनाव का समय मतदाताओं के जागने एवं विवेक से अपना मतदान करने की अपेक्षा करता है।

दृष्टि कोण

पाकिस्तान के शोषण से पीओके की जनता बेहाल, कब्जे वाले क्षेत्र की वापसी का वक्त आ गया

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले कुछ दिनों से आटे की आसमान छूती कीमत और बिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन जारी है। वहां की बदहाली का मुख्य कारण पीओके के साथ पाकिस्तान का सौतेला व्यवहार है। पाकिस्तान पीओके के संसाधनों की लगातार लूट में लगा है। इसी नीति के विरोध में यह प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है। लोगों का कहना है कि पीओके स्थित मंगला बांध से उत्पादित बिजली की पाकिस्तान में आपूर्ति की जाती है। हमें मिलने वाली सब्सिडी बंद कर बिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी की गई है। पीओके स्थित मंगला से बांध दो से ढाई हजार मेगावाट बिजली पैदा होती है। इसकी उत्पादन लागत दर ढाई से तीन रुपये प्रति यूनिट है और पाकिस्तान सरकार उपभोक्ताओं से 50 से 60 रुपये प्रति यूनिट वसूल करती है। इस आंदोलन का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी कर रही है। आंदोलन को कुचलने के लिए हजारों की संख्या में रेंजर्स तैनात किए गए हैं। इसमें दोनों तरफ से हुई झड़पों में आंदोलनकारी, रेंजर्स और पुलिस कर्मचारी मारे गए हैं। अब इस मुद्दे की गूंज ब्रिटेन और कई देशों में पहुंच गई है। ब्रिटेन में पाकिस्तान कश्मीर पीपुल्स पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। अब मुजफ्फराबाद में हेलीकॉप्टरों के माध्यम से सेना के कमांडो की तैनाती की जा रही है, जिससे हिंसा और जान-माल के नुकसान की आशंका और ज्यादा बढ़ गई है। पीओके के हालात अब इतने बदहाल हो गए हैं कि वहां के लोग पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ खुली बगावत पर उतर आए हैं। वे खुलेआम कह रहे हैं कि 'हम भारत में शामिल होना चाहते हैं, कम से कम हमें वहां दो वक्त की रोटी तो

मिल जाएगी। यहां जीना दूभर हो गया है। यहां के प्राकृतिक संसाधनों को पाकिस्तान लूट रहा है। वह अपनी जरूरत की चीजें निकाल कर ले जाता है, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलता।' गौरतलब है कि विगत 10 मई को वहां भारतीय तिरंगा लहराए गए। कई जगह पर 'हमें भारत से मिला दो' के नारे लिखे हुए पोस्टर भी लगाए गए। दरअसल पीओके के लोग देख रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर के निवासी शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में खुशहाली और विकास की नई लहर चल पड़ी है। हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में जम्मू-कश्मीर में 38 फीसदी का रिकॉर्ड मतदान हुआ, जो पहले हुए मतदानों से काफी ज्यादा है। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके को 23 अरब पाक रुपये का अनुदान दिया है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। हकीकत तो यह है कि पीओके के लोग पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर अब बिल्कुल भी भरोसा नहीं करते। इसलिए अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पीओके जाकर बातचीत के जरिये वहां की समस्याओं का हल निकालना चाहते हैं। अब देखना होगा कि उनकी बातचीत क्या रंग लाएगी। देखा जाए, तो 1947 के बाद भारत की किसी भी सरकार ने पीओके को पाकिस्तान के कब्जे से छुड़ाने की कोई कोशिश नहीं की। लेकिन हमारी मौजूदा मोदी सरकार के रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री ने पीओके के संजीदा हालात को देखते हुए कहा है कि पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे हर हाल में पाकिस्तान के चंगुल से निकाल कर रहेंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत इसे वापस लेने के लिए ठोस कदम उठाएगा, ताकि इसके दूसरे हिस्से को जम्मू-कश्मीर के साथ मिलाया जा सके। अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर के हालात काफी बेहतर हुए हैं। इससे पहले संसद में दो प्रस्ताव भी पास हो चुके हैं। अब पाकिस्तान से हिसाब लेने का समय आ गया है। पीओके में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई वहां के युवाओं को हथियार और प्रशिक्षण देकर भारत के खिलाफ भड़काती है और जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ करा रही है। पीओके में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविर भी बने हुए हैं। अगर पीओके को कब्जे से छुड़ा लिया गया, तो ये शिविर बंद हो जाएंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि आगामी चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जब नई सरकार का गठन हो जाएगा, तो इसके तुरंत बाद सरकार अपने एजेंडे में पीओके की वापसी को प्राथमिकता में रखेगा।

कुछ अलग

सही और फर्जी के बीच मिटता फर्क

यह बात 1967 की है, जब भारत अपनी चौथी लोकसभा को चुन रहा था। उस आम चुनाव में कांग्रेस ने लखनऊ से देश के सबसे बड़े शराब कारोबारी कर्नल वेद रतन मोहन को टिकट दिया था। वह देश की सबसे बड़ी शराब बनाने वाली कंपनी मोहन मीकिन के चेयरमैन थे। राजनीति और कारोबार की दुनिया के वह काफी सम्मानित शख्स थे। उन्हें उस दौर के सबसे मशहूर ब्रांड ओल्ड मॉन्क जैसी रम और गोल्डन ईगल जैसी बीयर शुरू करने का श्रेय भी दिया जाता है। कर्नल वीआर मोहन की जीत तकरीबन पक्की मानी जा रही थी। वह लगातार दो बार लखनऊ शहर के मेयर रह चुके थे और शहर की सबसे चर्चित शख्सीयतों में शुमार थे। उद्योगपति होने के कारण यह भी माना जा रहा था कि उनके पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। लखनऊ की लोकसभा सीट कांग्रेस की परंपरागत सीट थी और उस चुनाव में बेशक पहली बार कांग्रेस पूरे देश में थोड़ी कमजोर दिख रही थी, लेकिन लखनऊ सीट पर उस हवा का असर नहीं था। उस चुनाव की एक और महत्वपूर्ण बात यह थी कि लखनऊ लोकसभा सीट से 1957 और 1962 में लगातार दो चुनाव हारने वाले भारतीय जनसंघ के लोकप्रिय नेता अटल बिहारी वाजपेयी इस बार वहां से चुनाव नहीं लड़ रहे थे। अपने लच्छेदार भाषणों से भारी भीड़ बटोरने वाले वाजपेयी का लखनऊ से चुनाव न लड़ना भी कांग्रेस को आश्वस्त कर रहा था। कर्नल मोहन के सामने एकमात्र मजबूत उम्मीदवार थे आनंद नारायण मुल्ला। वकील और विद्वान होने के साथ ही वह उर्दू शायर भी थे। वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे और कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत व कर्नल मोहन के निजी रुतबे के सामने कोई निर्दलीय उम्मीदवार टिक भी सकेगा, इसकी कोई उम्मीद नहीं थी। एक और चीज थी, जो आनंद नारायण मुल्ला के खिलाफ जाती थी। दरअसल, लखनऊ से लगभग 25 किलोमीटर दूर काकोरी नाम के एक कस्बे के पास 9 अगस्त, 1925 को एक ट्रेन डकैती हुई थी। हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने इसको अंजाम दिया था। ट्रेन में ले जाए जा रहे सरकारी खजाने को लूटने की योजना राम प्रसाद बिस्मिल व अशफाक उल्ला खां ने बनाई थी और इस योजना को अंजाम देने में चंद्रशेखर आजाद और राजेंद्र लाहिड़ी जैसे कई क्रांतिकारियों ने भाग लिया था। क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए उनके संगठन को पैसे की जरूरत थी और इसीलिए ट्रेन डकैती जैसे दुस्साहसी काम को करने का फैसला किया गया था। बाद में जब इस मामले में मुकदमा चला, तो सरकार ने अपना वकील बनाया आनंद नारायण मुल्ला के पिताजी जगत नारायण मुल्ला को। इस केस में आनंद नारायण मुल्ला अपने पिता के असिस्टेंट थे और दोनों को सरकार की ओर से अच्छी-खासी फीस मिली थी। डर यह था कि काकोरी कांड को लेकर आनंद नारायण मुल्ला को चुनाव प्रचार के दौरान कठघरे में खड़ा किया जाएगा। मगर ऐन वक्त पर हवा बदल गई। प्रचार यह हुआ कि इस बार कांग्रेस ने लखनऊ से एक शराबी को टिकट दे दिया है। फिर इस तरह की बातें भी उड़ाई गईं कि कनर्ल वीआर मोहन जब प्रचार के लिए फलां मोहल्ले पहुंचे, तो नशे में एकदम धुत थे। कांग्रेस ने अपना सारा जोर लगा दिया, सारे संसाधन झोंक दिए गए, देश भर के तमाम बड़े नेताओं के दौरे हुए, उस समय के हिसाब से पैसा भी खूब बहाया गया, लेकिन अफवाहों से जो नैरेटिव तैयार हुआ, उसका जवाब नहीं मिल सका और आनंद नारायण मुल्ला बहुत आसानी से चुनाव जीत गए। यह पहला चुनाव था, जब लखनऊ लोकसभा सीट से कांग्रेस हारी और अगले चुनाव में कांग्रेस ने फिर से इस सीट को हासिल कर लिया।

देश दुनीया से

सियासत में उपेक्षित वीरभूमि का सैन्य बलिदान

वतन-ए-अजीज के स्वाभिमान के लिए जंग का मैदान हो या देश को मजबूत सियासी नेतृत्व प्रदान करने के लिए सत्ता का संग्राम, राज्य के लाखों सैनिक दोनों मोर्चों पर अपनी अहम भूमिका अदा करते आए हैं, मगर विडंबना है कि सैन्य परिवारों तथा सामरिक विषयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे किसी भी सियासी दल के चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं होते। प्रदेश के पूर्व सैनिक कई वर्षों से भारतीय सेना में अपने राज्य की अलग पहचान के लिए हिमाचल रेजिमेंट के गठन की मांग करते आ रहे हैं, मगर राज्य की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे की आवाज सियासी तौर पर उस शिद्दत से बुलंद नहीं हुई कि मरकजी हुकूमत के सियासी गलियारों में सुनाई दे सके।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हिमाचल प्रदेश के गौरवशाली सैन्य पराक्रम व देश के लिए सैकड़ों सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान ने राज्य को 'वीरभूमि' का सम्मान दिलाया है। वतन-ए-अजीज के स्वाभिमान के लिए जंग का मैदान हो या देश को मजबूत सियासी नेतृत्व प्रदान करने के लिए सत्ता का संग्राम, राज्य के लाखों सैनिक दोनों मोर्चों पर अपनी अहम भूमिका अदा करते आए हैं, मगर विडंबना है कि सैन्य परिवारों तथा सामरिक विषयों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे किसी भी सियासी दल के चुनावी घोषणापत्र में शामिल नहीं होते। प्रदेश के पूर्व सैनिक कई वर्षों से भारतीय सेना में अपने राज्य की अलग पहचान के लिए हिमाचल रेजिमेंट के गठन की मांग करते आ रहे हैं, मगर राज्य की प्रतिष्ठा से जुड़े इस मुद्दे की आवाज सियासी तौर पर उस शिद्दत से बुलंद नहीं हुई कि मरकजी हुकूमत के सियासी गलियारों में सुनाई दे सके। नतीजतन यह मुद्दा उपेक्षा का शिकार हो गया। सैन्य परिवारों की संख्या के मद्देनजर राज्य में 'पूर्व सैनिक अंशदान स्वास्थ्य योजना' (ईसीएचएस) व आर्मी कैंटीनों का विस्तार होना चाहिए। सीएसडी डिपो, सैन्य अकादमी व सैनिक स्कूल खोलने की मांग भी लंबे वक्त से हो रही है। पहाड़ की विषम परिस्थितियों के मद्देनजर राज्य में रोजगार के सीमित साधन होने के कारण ज्यादातर युवा अपने कैरियर के लिए सशस्त्र सेनाओं का रुख करते हैं, लेकिन हमारे देश में सेना में जवानों की नियुक्ति का पैमाना 'रिक्रूटेबल मेल पापुलेशन' (आरएमपी) इंडेक्स सिस्टम पर आधारित है। बड़ी आबादी वाले राज्यों को सैन्य भर्ती की वैकेंसी जनसंख्या के आधार पर प्रदान की जाती है। यानी शौर्य पराक्रम के इतिहास व योग्यता से ज्यादा आबादी को तरजीह दी जाती है। प्रश्न यह है कि यदि किसी सूबे में किसी समुदाय की आबादी तेज रफ्तार से बढ़ रही है तो क्या जनसंख्या को आधार बनाकर उस राज्य की सैन्य भर्ती की वैकेंसी में इजाफा कर दिया जाएगा? भारत में जनसंख्या विस्फोट एक बड़ी चुनौती बन चुका है। यदि कोई राज्य जनसंख्या संतुलन को बरकरार रखने के लिए देशहित में राष्ट्रवादी नजरिए की मिसाल कायम कर रहा है तो क्या कम आबादी का हवाला देकर उस राज्य की सेना में वैकेंसी घटा दी जाएगी? किसी राज्य के कुर्बानियों से लबरेज सैन्य इतिहास को नजरअंदाज कर दिया जाएगा? बेशक जम्हूरियत के निजाम में इक्तदार हासिल करने के लिए आबादी का अंकगणित एक महत्वपूर्ण फैक्टर है। परंतु जनसंख्या की अहमियत व जाति-मजहब के समीकरण तथा सियासी मंचों से जज्बाती तकरीरें केवल वोट बैंक साधने के लिए मुफीद हो सकते हैं। जब पड़ोस में जम्हूरियत को रक्तरंजित करने वाले चीन व पाकिस्तान जैसे नामुराद मुल्क सरहद पर हरदम भारत को दहलाने का मंसूबा तैयार करके बैठे हों तो आरएमपी सिस्टम या जनसंख्या कोई मायने नहीं रखते। दुश्मन देशों से निपटने के लिए फिदा-ए-वतन के जज्बात रखने वाले रणबांकुरों की जरूरत होती है। वीरभूमि के सैन्य पराक्रम की विरासत पर हर प्रदेशवासी गर्व

महसूस करता है। बड़े राज्यों की अपेक्षा आबादी व क्षेत्रफल में छोटा राज्य हिमाचल सैन्य वीरता पदकों की संख्या में शीर्ष पर काबिज है। देशरक्षा के मोर्चे पर राज्य के सपूतों का बलिदान बाकी राज्यों की अपेक्षा कहीं अधिक है। दो विश्व युद्ध, आजाद हिंद फौज, देश के लिए पांच बड़े युद्ध, यूएनओ मिशन के तहत विदेशी भूमि पर शांति सैन्य अभियान तथा कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर राज्यों तक आतंक विरोधी सैन्य आपरेशनों में वीरभूमि के सैनिकों ने अदम्य साहस के कई सुनहरे मजमून लिखे हैं। जंगे अजीम में दो 'विक्टोरिया क्रॉस', आजादी के बाद चार 'परमवीर चक्र', तीन 'अशोक चक्र' तथा तेरह 'महावीर चक्र' रणभूमि में दुश्मन के समक्ष शूरवीरता के ये आलातरीन सैन्य पदक वीरभूमि के सैनिकों की दास्तान-ए-शुजात की तस्दीक करते हैं। आजाद हिंद फौज के सैन्य एजाज से सरफराज जांबाज कर्नल 'मेहर दास', 'सरदार-ए-जंग' कै. 'बख्शी प्रताप सिंह', 'तगमा-ए-शत्रुनाश' लेफ्टिनेंट 'अमर चंद', 'तगमा-ए-बहादुरी' कै. 'हरि सिंह', 'शेर-ए-हिंद' लेफ्टिनेंट 'सुखदेव चौधरी', 'वीर-ए-हिंद' कै. ठाकुर राम सिंह तथा तख्ता-ए-दार पर झूलने वाले क्रांतिकारी मेजर दुर्गामल व कै. दल बहादुर थापा। भले ही वर्तमान में पहाड़ की सैन्य पृष्ठभूमि के ये नाम गुमनामी के अंधेरे में जा चुके हैं, मगर देश की आजादी के लिए अंग्रेजों की सफ्फाक हुकूमत से लडने वाले उन इंकलाबी चेहरों की कर्मभूमि हिमाचल प्रदेश ही था। दरअसल जाति-मजहब की सदारत करने वाले सियासी रहनुमाओं व सियासी जमातों की देश में कोई कमी नहीं है। आजादी के बाद से देश के लाखों भूतपूर्व सैनिक व उनके परिवार सियासी रहनुमाओं को सत्ता के सिंहासन पर विराजमान करने में अपना योगदान दे रहे हैं। भूतपूर्व सैनिकों के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा जरूर निर्धारित हुआ है। उसका भी अक्सर विरोध होता है, मगर देश के तमाम इदारों पर नियंत्रण सियासी व्यवस्था का ही होता है। राज्यसभा में कला, साहित्य व मायानगरी से ताल्लुक रखने वाले बारह सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामांकित किए जाते हैं, लेकिन 'स्वयं से पहले राष्ट्र' के सिद्धांत पर काम करने वाली भारतीय सेना के अनुभवी भूतपूर्व सैनिकों की सियासी व्यवस्था में भागीदारी सुनिश्चित नहीं हुई। नतीजतन राष्ट्रीय सुरक्षा व सैनिकों तथा आजादी के परवानों से जुड़े मुद्दे जम्हूरियत की पंचायतों में चर्चा का मरकज नहीं बनते। सियासी इच्छाशक्ति के अभाव में कारगिल के बलिदानी कै. सौरभ कालिया की पाक सेना द्वारा की गई हत्या का मुकद्दमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय तक नहीं पहुंच पाया। 'वन रैंक वन पेंशन' का मुद्दा दशकों तक लंबित रहा। इन विषयों पर तफसील से तब्सिरा पेश होना चाहिए। बहरहाल देश के हुक्मरानों को हिमाचल प्रदेश के सैन्य बलिदान से मुखातिब होना होगा। सशस्त्र सेनाओं में वीरभूमि के दमदार सैन्य इतिहास के मद्देनजर राज्य के सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ोतरी होनी चाहिए। युवाओं के मुस्तकबिल से जुड़े इस मुद्दे पर सूबे की लीडरशिप को राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का पक्ष पूरी शिद्दत से रखना होगा। इस मुद्दे को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

आप का नजरीया

हिमाचल में कितने साम्राज्य

चुनाव की आंखें जो देख रही हैं, उससे भिन्न हैं हमारे जहां। छोटे से हिमाचल में समाज ने बड़े ही गोपनीय अंदाज से बड़े-बड़े साम्राज्य बना लिए हैं। ये साम्राज्य कानून व्यवस्था से बेफिक्र, प्रशासनिक चौकसी से दूर और सियासी प्रणाली से गलबहियां करते मिल जाएंगे, फिर भी कसूर सिर्फ मतदाता का है जो वर्षों से लोकतांत्रिक देश में आंखें फाड़ कर खुद को देखने में असफल हो रहा है। हमें कोफ्त नहीं कि पहाड़ कट कर मैदान हो गया, हमें दुख नहीं कि हमारी अपनी नदी सूख गई। हम विकास की चिलमन से सुखद नजारे देखना चाहते हैं, लेकिन आंखों पर पर्दे लिए परिवेश गंवा रहे हैं। बड़ी आशा में विकास की आपूर्ति करना हिमाचल सीख गया कि अवैध खनन की रेत छाननी कैसे और यह भी कि बीबीएन औद्योगिक परिसर से निकलते स्क्रैप की वैधता में अवैध वसूली मजबूत कैसे करनी है। हमें आश्चर्य अब होता ही कहां। हमें मालूम है कि हर पार्टी की जुबान फिसलती है और सत्ता का विपक्ष और विपक्ष का सत्ता होना अब सालता कहां। नागरिक समाज को चाहिए राजनीतिक चुगलखोरी, इसलिए वर्तमान चुनाव के कान हैं कहां। सभी बोल रहे हैं लेकिन कान को कानों कान खबर नहीं। हमें मालूम है कि कालेज की वर्तमान पढ़ाई से हमारे बच्चे नौकरी के काबिल नहीं बनेंगे, फिर भी जिद्द है कि बस्ती-बस्ती शिक्षण संस्थान खुल जाएं। हर स्कूल में एक साम्राज्य है और हर कालेज के साम्राज्य में कई स्वयंभू राजा हैं। जवाली के स्कूल का दस्तूर हमें बताता है कि अगर मूड में आना हो तो अध्यापक के लिए परिसर में मयखाना भी मयस्सर है। श्रीमान अध्यापक महोदय का वीडियो बता रहा है कि प्रदेश में असली बादशाहत है किसकी। ताज्जुब यह कि पर्यटन में हम अपने प्रदेश की नई तस्वीर-नई तासीर ढूंढ रहे हैं, जबकि टूटती शराब की बोतलों के पैमानों में देवभूमि की छवि झांक रही है। मनाली में भोपाल की युवती का शव शायद कुछ न कहे, लेकिन चेतावनी जरूर दे रहा है। पर्यटन के साम्राज्य में सांस्कृतिक नासूर चल रहे हैं और कसूर यह कि हमारे होटल खाली हैं। हम पुनः चुनाव में उन्हीं चेहरों के दम पर किसका साम्राज्य ढूंढ रहे हैं। कहीं सियासत मशगूल है एक नया साम्राज्य बनाने में ताकि सत्ता से हासिल प्रभावशाली रहे। वे सैकड़ों तोरणद्वार दोषी हैं, जिनके नीचे से हमारे राजा निकल रहे हैं। हमारे उधार, व्यवस्था के कर्जदार निकल रहे हैं। हम बंट गए, हर किसी की बोली में फंस गए। इसी हिमाचल में उम्मीदवारों की जातियां पहचानेंगे, तो दुर्ग अनेक उन्हीं पुरानी ईंटों को जोड़ रहे हैं। इस बार लोकसभा चुनाव के भीतर हिमाचल भी साम्राज्य है। कहीं कांगड़ा, तो कहीं हमीरपुर का दुर्ग और कहीं मंडी नरेश का फैसला होगा। इसी तरह उपचुनावों में बागी विधायकों का जमावड़ा यूं तो भाजपा के साम्राज्य के लिए लड़ रहा है, लेकिन जो ढह गए उन्हें कल कौन कबूल करेगा। किलेबंदियों में हिमाचल ने राजनीति को श्रेष्ठ मान लिया। इसलिए उस अदने से कर्मचारी को देखिए जो ताउम्र एक ही स्टेशन पर अड्डा जमाए अपना साम्राज्य बना लेता है। सुनिश्चित दायरे में घूम रहे सरकारी कर्मचारी कितने ताकतवर हैं कि यह राज्य स्थानांतरण नीति की जरूरत ही नहीं समझता।

खटारा इंजन कहने वाले अखिलेश को जनता देगी करारा जवाब : साध्वी निरंजन ज्योति

हमीरपुर में मतदान करने के बाद केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी ने विपक्ष पर किया तीखा हमला

हमीरपुर (हिंस)। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने सोमवार को यहां हमीरपुर शहर आई और पांचवें चरण के मतदान में वोट देकर आम लोगों से मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने अखिलेश यादव पर तीखा हमला कर कहा कि वह सरकार को खटारा इंजन कहकर बदलने की बात कही है, आज जनता उन्हें वोट की ताकत से करारा जवाब देगी। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वीं निरंजन ज्योति फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में है। वह हमीरपुर जिले के पत्योरा गांव की रहने वाली है। आज साध्वीं हमीरपुर आकर मतदान में हिस्सा लिया। विद्यामंदिर इंटरकालेज में वोट देने के बाद उन्होंने

कहा कि अखिलेश यादव और राहुल गांधी के गठबंधन का हाल पिछले चुनाव की तरह ही होगा। कहा कि अखिलेश ने उन्हें खटारा इंजन कहकर बड़ी टिप्पणी की, जिसका जवाब आज जनता देगी। कहा कि देश में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने भी राजकीय इंटरकालेज में मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि एकतरफा चुनाव है। जनता ही चुनाव लड़ रही है। इसीलिए इस बार भी भाजपा की केंद्र में तीसरी बार सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। जनता विपक्ष को पिछले चुनाव में नकार चुकी है। संसदीय क्षेत्र में अब तापमान बढ़ने के कारण पोलिंग बूथों पर अब मतदाता कम संख्या में पहुंच रहे हैं, जबकि सड़कों पर सन्नाटा भी पसरने लगा है। अभी तक संसदीय क्षेत्र में 28.24 फीसदी मतदान हो चुका है। इनमें हमीरपुर सदर विधानसभा क्षेत्र में 28.45, राठ विधानसभा क्षेत्र में 28.88, महोबा विधानसभा क्षेत्र में 28.7, चरखारी विधानसभा क्षेत्र में 27.35 व तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र में 27.69 फीसदी मतदान हो गया है।

मधुबनी में तीन बजे तक 43.77 प्रतिशत मतदान

मधुबनी (हिंस)। जिला मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष में दरभंगा प्रमंडलीय आयुक्त मनीष कुमार व डीएम अरविन्द कुमार वर्मा सोमवार को संसदीय क्षेत्र के मतदान का लगातार जायजा लिया। मधुबनी संसदीय क्षेत्र में तीन बजे तक लगभग चौआलीस प्रतिशत मतदान हुआ है। जिला निर्वाचन कोषांग से मिले आंकड़े मुताबिक मधुबनी संसदीय क्षेत्र में अब तक 43.77 प्रतिशत मतदान हो चुका है। संसदीय क्षेत्र में शाहपुर मतदान केंद्र पर भाजपा विधान पार्षद घनश्याम ठाकुर ने बताया कि चहुंओर उत्साहपूर्ण वातावरण में शान्तिपूर्ण मतदान जारी है। बेनीपट्टी में जदयू के पूर्व एमएलसी डॉ. दिलीप कुमार चौधरी ने पत्नी के साथ मतदान किया। पूर्व विधान पार्षद डॉ. दिलीप चौधरी ने आम मतदाताओं से सर्वाधिक मतदान की अपील की।

पीएम की चुनावी सभा के पूर्व 20 जिंदा कारतूस व आर्म्स के साथ एक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण (हिंस)। पीएम मोदी की चुनावी सभा से ठीक पहले मोतिहारी पुलिस ने एक अंतरजिला आर्म्स सप्लायर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। छतौनी थाने के बरियारपुर जीरो माइल चौक के पास से उसे पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया है। पुलिस कप्तान कान्तेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर एएसपी शिखर चौधरी के नेतृत्व में पुलिस ने उक्त कारवाई की है। एसपी ने बताया है कि उसके पास से 20 जिंदा कारतूस, यूएस मॉडल जैसा एक पिस्टल बरामद किया गया है। गिरफ्तार तस्कर बेगूसराय जिले के साहेब कमाल थाना क्षेत्र का निवासी मधुसूदन कुमार बताया गया है। पुलिस ने उससे पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई है, जिसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है। उसके विरुद्ध साहेब कमाल थाने में 2007 में चोरी, मानसी थाना क्षेत्र में 2017 व बेगूसराय नगर थाने में वर्ष 2022 में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। इसके अलावे पुलिस उसके अन्य अपराधिक मामलों को खंगालने में जुटी है। छापेमारी टीम में एएसपी के अलावे छतौनी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार, एएसआई मुकेश कुमार, इंद्रकांत कुमार, सिपाही राजेन्द्र कुमार, बिट्टू कुमार व सशस्त्र बल शामिल थे।

हाईवा और सीएनजी ऑटो कीं टक्कर में दो मरे, तीन घायल

भागलपुर (हिंस)। जिले के सन्हौला थाना क्षेत्र के मुर्गियाचक गांव के समीप एसएच 84 पर सोमवार को तेज रफ्तार हाइवा ने ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में ई-रिक्शा पर सवार चाचा भतीजा की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। ई-रिक्शा के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद मौके से हाईवे चालक हाइवा लेकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। घटना की सूचना पर परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि धोरैया थाना क्षेत्र के गौरा स्थित एक गांव में बारात गई थी। सुबह सीएनजी ई-रिक्शा से चाचा भतीजा और अन्य लोग घर लौट रहे थे।

राजस्थान : बारहवीं के तीनों संकायों का परीक्षा परिणाम एक साथ जारी

अजमेर (हिंस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) 12वीं साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स का रिजल्ट सोमवार दोपहर करीब सवा बारह बजे जारी कर दिया गया। संभागीय आयुक्त एवं बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने बोर्ड परिणाम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि बोर्ड के इतिहास में कोरोना काल को अपवाद रूप में को छोड़कर यह पहला अवसर है जब बोर्ड ने बारहवीं के तीनों संकायों के परीक्षा परिणाम एक साथ जारी किए हैं। इसके लिए उन्होंने परिणाम तैयार करने वाली बोर्ड की टीम को बधाई दी और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि साइंस में 97.73, कॉमर्स में 98.95 और आर्ट्स में 96.88 प्रतिशत विद्यार्थी

पास हुए हैं। तीनों संकाय में लड़कियों का रिजल्ट लड़कों के मुकाबले बेहतर रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार का रिजल्ट अच्छा रहा है। बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि तीनों संकाय (साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स) के परिणाम में लड़कियां आगे रहीं। साइंस में लड़कों का परिणाम 97.08 और लड़कियों का 98.90 प्रतिशत रहा। इसी तरह कॉमर्स में छात्रों का परिणाम 98.66 प्रतिशत और छात्राओं का 99.51 प्रतिशत रहा। आर्ट्स में लड़कों का रिजल्ट 91.55 प्रतिशत और लड़कियों का 96.24 प्रतिशत रहा। 12वीं में तीनों विषयों को मिलाकर साढ़े 8 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स रजिस्टर्ड थे। बोर्ड सचिव ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा का परिणाम भी जारी किया गया है। इसमें कुल 3671 विद्यार्थी रजिस्टर्ड हैं। बोर्ड की ओर से यह पहला रिजल्ट होगा। पिछले साल 2023 में पहला रिजल्ट 12वीं साइंस व कॉमर्स का रिजल्ट 18 मई की रात 8 बजे घोषित किया था। आर्ट्स का रिजल्ट 92.35, कॉमर्स का 98.01 और साइंस का रिजल्ट 97.39 प्रतिशत रहा था। पिछले साल आर्ट्स का रिजल्ट 24 मई को घोषित किया गया था। इससे पहले कोरोना काल में जब परीक्षाएं नहीं हुई थीं तब फॉर्मूला के आधार पर तीनों विषयों का रिजल्ट 24 मई 2021 को एक साथ जारी किया गया था। अब यह दूसरी बार है, जब तीनों रिजल्ट एक साथ जारी किए जा सके है। उल्लेखनीय है कि 2022 में पहला रिजल्ट परीक्षा समाप्ति के 28 दिन बाद, 2023 में परीक्षा समाप्ति के 37 दिन बाद जारी हुआ था। इस बार रिजल्ट परीक्षा समाप्ति के 47 दिन बाद जारी हो रहा है। इसका कारण लोकसभा चुनाव में टीचर्स व कार्मिकों की व्यस्तता रही।

केंद्र की सत्ता बदलने के लिए मुस्लिम करें मतदान : मौलाना खलीलुर्रहमान

लखनऊ, (हिंस)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कार्यकारिणी सदस्य मौलाना खलीलुर्रहमान सज्जाद नोमानी ने संविधान बचाने के आड़ में केंद्र की सत्ता बदलने के लिए मुस्लिम मतदाताओं को सौ प्रतिशत मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत मुल्क का संविधान पूरी दुनिया का सबसे अच्छा संविधान है। ये संविधान बचाने के लिए मेरे अपने मुस्लिम लोग मतदान अवश्य करें। मतदान कर संविधान को बचायें। लखनऊ लोकसभा क्षेत्र के अमीनाबाद डिग्री कॉलेज में अपने परिवार के साथ मौलाना खलीलुर्रहमान सज्जाद नोमानी ने मतदान किया। मतदान कर बाहर निकलने पर मौलाना खलीलुर्रहमान नोमानी ने मीडिया से कहा कि लखनऊ के मुस्लिम और जनता से कहना है, भारत के संविधान की रक्षा के लिए सौ प्रतिशत मतदान कीजिए। आपके मतदान से ही संविधान बचाया जा सकेगा। मतदान के बाद मौलाना नोमानी ने कहा कि प्रधानमंत्री की बातें अलग है। प्रधानमंत्री सुबह कुछ बोलते हैं, शाम को कुछ बोलते हैं। देश के प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य के लिए हम अपनी ओर से दुआ करते हैं। प्रधानमंत्री का स्वास्थ्य सलामत रहें। इस दौरान मौलाना नोमानी तमाम बातों को कहते कहते रह गए।

राजस्थान हाईकोर्ट : नीतिगत फैसले लेने से रोकने वाली रिट याचिका खारिज

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सोमवार को मोहम्मद अली चुन्दडीगर, अतीक गौरी निसार खिलजी और अताउर्रमान की उस रिट याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया कि मारवाड़ मुस्लिम एज्युकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के नियुक्त रिसीवर प्रोफेसर शकील परवेज नीतिगत फैसले ले रहे हैं, उन्हें रोका जाए। रिसीवर ने माई खदीजा नर्सिंग कॉलेज में पंद्रह वर्षों से कार्यरत प्रिंसिपल जितेंद्र खत्री को हटा दिया है और मौलाना अबूल कलाम आजाद यूनिवर्सिटी के डिप्टी रजिस्ट्रर आमीन को गबन के कथित आरोप में मुकदमा दर्ज करवा कारण बताओ नोटिस दिया है। याचिका में मांग की गई कि रिसीवर रोजमर्रा के काम करे ना कि नीतिगत फैसले ले। रिट याचिका में यह भी प्रार्थना की गई कि सोसाइटी के सरपरस्त चुनाव की आम सूचना जारी कर रहे हैं, वोटर लिस्ट में नाम घटा-बढ़ा रहे हैं जबकि उन्हें यह अधिकार नहीं है। सरपरस्तों की निगरानी में रिसीवर गलत कार्य कर रहे हैं। हाईकोर्ट की न्यायाधीश रेखा बोराणा की एकल खंडपीठ में सोमवार को पूर्व में 20 मार्च 2024 को निस्तारित याचिका में ही एक याचिका पेश कर कहा गया कि मारवाड़ मुस्लिम एज्युकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी में नियुक्त रिसीवर प्रोफेसर शकील परवेज नीतिगत फैसले ले रहे है और ऐसा करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। याचिका में कहा गया कि पहले 2 अप्रेल को सरकार के प्रशासनिक अधिकारी प्रियंका विश्नोई और फिर 19 अप्रेल को महावीर सिंह को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया था। वे भी अब तक सोसायटी के चुनाव नहीं करवा सके हैं बल्कि 15 मई को सरपरास्तों ने आम सूचना प्रकाशित करवाई और आपत्तियों पर सुनवाई करने लगे हैं। वोटर लिस्ट जारी कर रहे है, उन्हें भी ऐसा करने का अधिकार नहीं है। न्यायाधीश रेखा बोराणा ने मोहम्मद अली चुन्दडीगर, मोहम्मद अतीक गौरी, निसार खिलजी और अताउर्रमान की इस रिट याचिका पर कहा कि वे किस प्रावधान के तहत हाईकोर्ट आए हैं, यह अदालत मूल रिट का निस्तारण कर चुकी है। किसी और बात का विस्तार से क्लीयरिफेशन नहीं दिया जा सकता। याचि को जिस किसी बात पर आपत्ति है, तो वह संबंधित के पास जाए जहां से रेमेडि मांगी जाए। न्यायाधीश बोराणा ने रिट याचिका खारिज कर दी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने डाला वोट, बोले विपक्ष का होने जा रहा सुपड़ा साफ

जालौन (हिंस)। जालौन में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उरई के उद्योग केंद्र के समीप बने बूथ पर आकर वोट डाला। विपक्ष पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष का सूपड़ा साफ होने वाला है पूर्ण बहुमत के सरकार सरकार बनेगी। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जालौन के मुख्यालय उरई में आकर बूथ नंबर 350, 351 कर आकर अपना वोट डाला और कहा कि बुंदेलखंड भाजपा पिछली बार भी जीती थी और इस बार जीत रही है। यहां पर पहले बिजली पानी और सड़क नही थी, लेकिन अब सबके पास बिजली, पानी, और चलने के लिए सड़क है। इस सरकार में लोगों का पलायन थम गया है। गुंडागर्दी बंद हो गई है। पहले बिजली नहीं आती थी सिर्फ बिल का करंट आता है अब बिजली भी है। इस सरकार में हमारी बेटियां रात को 12 बजे सुरक्षित अयोध्या जा सकती है।

एक्सिस बैंक लूटकांड मामले में फरार शंकर यादव को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

अररिया (हिंस)। अररिया में 23 जनवरी को दिनदहाड़े हुए एक्सिस बैंक में एक करोड़ 31 हजार लूटकांड मामले में फरार चल रहे वांछित अपराधी शंकर यादव को पटना एसटीएफ की टीम ने अररिया जिला पुलिस के साथ मिलकर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी सहरसा के सौर बाजार थाना क्षेत्र के मधुरा वार्ड संख्या 7 का रहने वाला शंकर यादव पिता-सुरो यादव है। अररिया पुलिस और बिहार एसटीएफ की टीम ने रविवार को शंकर यादव को अररिया सुपौल सीमा क्षेत्र के भरगामा जदिया के पास से गिरफ्तार किया। शंकर यादव पर अररिया और सहरसा के विभिन्न थाना में लूट और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं। पुलिस बैंक लूटकांड के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। एक्सिस बैंक लूटकांड मामले में अब तक आठ बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बैंक के फिल्ड ऑफिसर समेत सात लोगों को पुलिस ने इससे पहले गिरफ्तार किया गया था। नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए कहा कि शंकर यादव के खिलाफ बैंक लूटकांड मामले में पर्याप्त साक्ष्य पुलिस को मिले थे। सौर बाजार के प्रेमराज उर्फ संठी की गिरफ्तारी के बाद शंकर यादव का नाम बैंक लूटकांड में सामने आया था और तब से पुलिस इनको तलाश रही थी। शंकर यादव घटना के बाद से ही फरार था और महानगर में छिपकर रह रहा था।

अयोध्या : फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में 5 बजे तक 57.30 प्रतिशत मतदान

अयोध्या (हिंस)। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में पांच बजे तक 57.30 फीसदी मतदान हुआ। सुबह सात बजे से ही कई मतदान केंद्रों पर वोटर लाइन में लग गए। युवाओं के साथ बुजुर्गों और महिलाओं, साधु- सन्तों ने भी मताधिकार का प्रयोग किया। राम नगरी के उदासीन ऋषि आश्रम रानोपली महंत भरत दास, श्रीराम बल्लभा कुंज के महंत राम शंकर दास वेदांती, अधिकारी राजकुमार दास, जगद्गुरु राम दिनेशाचार्य, डांडिया मंदिर महंत गिरीश दास, जानकी घाट महंत जनमेजय शरण, लक्ष्मण किला महंत मैथिली रमण शरण, हनुमत निवास के महंत मिथिलेश नंदनी शरण, संत तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास, संत मिथिला बिहारी दास, पत्थर मन्दिर के महंत मनीष दास, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय सहित प्रमुख संतों ने मतदान किया। मतदान के प्रयोग के प्रति उत्साह देखा गया। भाजपा उम्मीदवार सांसद लल्लू सिंह, नगर निगम के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रुदौली विधायक राम चंद्र यादव, इंडिया गठबंधन उम्मीदवार विधायक अवधेश प्रसाद ने मतदान किया। अधिकारियों में मंडलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार और जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में मतदान किया। जिले के लिए लोकसभा का यह चुनाव पिछली बार की अपेक्षा काफी अहम है। लगातार पांचवीं बार चुनाव लड़ रहे भाजपा उम्मीदवार जीतकर पहली बार हैट्रिक लगाने की कोशिश में हैं, तो नौ बार के विधायक और छह बार के मंत्री रहे इंडिया गठबंधन के सपा उम्मीदवार पहली बार लोकसभा पहुंचने को लालायित हैं। बसपा उम्मीदवार की राजनीतिक शुरुआत के लिए भी यह चुनाव अहम है।

आदिवासी संगठनों की बैठक में पीएम मोदी को समर्थन देने पर बनी सहमति

भाजपा के प्रत्याशी संजय सेठ को भारी मतों से जिताने का संकल्प

रांची (हिंस)। रांची के हातमा स्थित सरना स्थल में मुख्य पाहन जगलाल पाहन के आवास में रांची लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न आदिवासी संगठनों, सामाजिक अगुआ और विभिन्न मौजा के पाहनों की बैठक हुई। इस दौरान भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह और रांची लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी संजय सेठ ने मुख्य सरना पूजा स्थल में पूजा-अर्चना करने के बाद मुख्य पाहन जगलाल पाहन से जीत का आशीर्वाद मांगा। इसके बाद विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य पाहन जगलाल ने किया। प्रत्येक संगठन के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श करने के बाद 25 मई को लोकसभा चुनाव के मतदान में देश और समाज के विकास, कल्याण, उन्नति, अस्मिता और अस्तित्व के रक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समर्थन देने की सहमति बनी। इस कार्य को गति देने के लिए उपस्थित संगठनों ने गांव भ्रमण कार्यक्रम कर लोगों को मोदी सरकार के दस वर्षों का उपलब्धियों को बताकर रांची लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी संजय सेठ को भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलू मुंडा, केंद्रीय धुमकुड़िया अध्यक्ष सुनील टोप्पो, छोटानागपुर सरना समिति अध्यक्ष बिरसा पहान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सीआरपीएफ हवलदार ने की खुदकुशी

सुसाइड नोट में लिखा, डिप्टी कमांडेंट करते थे प्रताड़ित

रांची (हिंस)। सीआरपीएफ 133 बटालियन के हवलदार बसंत कुमार (41) ने कीटनाशक दवा खाकर खुदकुशी का प्रयास किया, उन्हें पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के क्रम में रविवार को उनकी मौत हो गयी। उन्होंने अपने मरने के पहले दिए बयान में जगन्नाथपुर पुलिस को बताया कि उसके डिप्टी कमांडेंट (एडीएम) मृत्युंजय कुमार उन्हें एक माह से प्रताड़ित कर रहे थे जिससे तंग आकर उन्होंने खुदकुशी की। उसके मौत के जिम्मेदार उसके डिप्टी कमांडेंट होंगे। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्होंने एक सुसाइड नोट भी लिखा है जिसे उन्होंने व्हाट्सअप में रखा है और अपने पुत्र को भेज दिया है। बसंत कुमार की मौत के बाद उनके पुत्र ऋतु राज का बयान लेकर जगन्नाथपुर पुलिस ने रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके पुत्र को सौंप दिया गया। बसंत कुमार वर्तमान में सेक्टर टू के क्वार्टर नंबर-बी-116 में रहते थे। वे मूल रूप से बिहार के बैशाली जिला के धरधरा गांव के निवासी थे। इस संबंध में जगन्नाथपुर थाना प्रभारी ने बताया कि सीआरपीएफ हवलदार ने आत्महत्या की है, उनके आत्महत्या के पीछे डिप्टी कमांडेंट के प्रताड़ना की बात सामने आयी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद बसंत कुमार का शव सीआरपीएफ कैंप ले जाया गया, वहां उन्हें अंतिम सलामी दी गयी। उसके बाद शव उनके पैतृक आवास बैशाली ले जाया गया। बसंत कुमार का एक पुत्र और एक पुत्री हैं। हवलदार बसंत कुमार ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि वह 133 बटालियन सेक्टर टू धुर्वा, रांची के अराजपत्रित अधिकारी मेस के मेस कमांडर के रूप में कार्यरत थे। उस मेस के डिप्टी कमांडर(एडीएम) मृत्युंजय कुमार सचिव है।

भागवत कथा सुनने मात्र से हर प्राणी को मोक्ष की होती है प्राप्ति : आचार्य कौशल

औरैया (हिंस)। भाग्यनगर ब्लॉक की ग्राम पंचायत सल्हापुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कथा वाचक आचार्य कौशल जी महाराज ने राम जन्म एवं कृष्ण जन्म की कथा वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कलयुग में भागवत कथा सुनने मात्र से हर प्राणी को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी जन्मों के पापों का नाश होता है। आचार्य ने कथा में आज प्रभु राम जन्म एवं श्री कृष्ण जन्म व बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 24 लाख की योनियों में भटकने के पश्चात मानव शरीर की प्राप्ति होती है। जब-जब अत्याचार और अन्याय बढ़ता है तब तक प्रभु का अवतार होता है। प्रभु का अवतार अत्याचार को

समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। जब रावण का अत्याचार बढ़ा तब राम का जन्म हुआ। जब कंस ने सारी मर्यादाएं तोड़ी तो प्रभु श्री कृष्ण का जन्म हुआ। कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा एक ऐसी कथा है जिसे ग्रहण करने मात्र से ही मन को शांति मिलती है। भागवत कथा सुनने से अहंकार का नाश होता है। परीक्षित बने श्री मति कुंती देवी एवं चन्द्रभानु कुशवाहा ने सभी श्रद्धालु जनों से कथा श्रवण करने की अपील की है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.10PSC/E-1/2024-25

NOTIFICATION

It is for information to all concerned candidates that the **Combined Competitive (Main) Examination, 2023** will be held on **26th, 27th and 28th July, 2024** as per programme given below:

Programme for the Combined Competitive (Main) Examination, 2023

Date	Forenoon (09-00 AM to 12:00 P.M.)	Afternoon (01:30 PM to 04:30 PM)
26th July, 2024 (Friday)	Paper-1-Essay	Paper-2- General Studies-I
27th July, 2024 (Saturday)	Paper-3- General Studies-II	Paper-4- General Studies-III
28th July, 2024 (Sunday)	Paper-5- General Studies-IV	Paper-6- General Studies-V

The list of candidates along with Roll Nos. and e-Admission Certificates will be uploaded on **3rd July, 2024** and **5th July, 2024** respectively in the Commission's website **www.apsc.nic.in.** No e-Admission Certificates shall be sent separately by post.

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 887 / 24/ 21-May-24

फ्लाइट में केबिन बैगेज से चुराए एक करोड़ रुपये से ज्यादा, इस शख्स ने चोरी के लिए लगाया ऐसा दिमाग

नई दिल्ली।
देश में एक शख्स ने फ्लाइट में यात्रियों के सामान से एक करोड़ से भी ज्यादा रुपयों की चोरी की है। यह शख्स चोरी के खासतौर पर ऐसे बुजुर्गों को निशाना बनाता था, जिन्हें चलने में परेशानी होती थी और फ्लाइट में पहले चढ़ने की परमीशन दी जाती थी। इस शख्स का नाम राजेश कपूर है। पहाड़गंज निवासी राजेश कपूर अलग-अलग भारतीय फ्लाइट्स में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता रहा है। राजेश चोरी करने के लिए ऐसे बुजुर्गों के साथ विमान में चढ़ जाता था, जिन्हें चलने में परेशानी होती थी और उन्हें पहले चढ़ने की अनुमति मिली होती थी। राजेश फ्लाइट में चढ़ जाता और जब वह अपनी सीट पर सामान रखने में लगे होते थे, तभी वह जल्दी से उनका सामान खोलकर कीमती चीजें चुरा लेता था। ऐसा उसने कई बार किया और लाखों रुपयों का सामान चुरा लिया। अब वह पकड़ में आया है। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच में पता चला है कि वह करीब 200 फ्लाइट्स में यात्रा कर चुका है। चोरी के लिए उसने कई बार अपने मृत भाइयों के पहचान पत्र और फोन नंबर का इस्तेमाल किया था।

इस तरह पकड़ा गया – राजेश कपूर 11 अप्रैल तक अलग-अलग उड़ानों में ऐसे ही चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। इस दौरान हैदराबाद से दिल्ली जा रही एक महिला ने पुलिस से शिकायत की कि उसके हैंडबैग से 7 लाख रुपये के गहने चोरी हो गए हैं। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने इस मामले की जांच की। इससे पहले 2 फरवरी को एक दूसरे यात्री ने भी पुलिस में शिकायत की थी कि उसका 20 लाख रुपये के कीमती सामान गायब हो गए हैं। पुलिस ने जांच के बाद उसे 13 मई को गिरफ्तार किया था। दिल्ली पुलिस एयरपोर्ट सुरक्षा कैमरों, एयरलाइन डेटा और कॉल रिकॉर्ड की मदद से उसे पकड़ने में कामयाब रही है।

ऐसे हुआ शक – रिपोर्ट के मुताबिक, राजेश ने अकेले एक साल में कम से कम 200 से ज्यादा उड़ानें भरी थीं। उसने कई बार अपने मृत भाइयों के क्रेडेंशियल और फ़ोन नंबर का इस्तेमाल करके एक दिन में कई बार सफर किया था। वह अपना फ़ोन बंद रखता था, कभी-कभार ही उसे चालू करता था। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, अगर राजेश ने अपने टिकट के लिए औसतन 7,500 रुपये का भुगतान किया है, तो उसने इन 200 उड़ानों पर करीब 15 लाख रुपये खर्च किए होंगे, लेकिन चोरी के सिर्फ़ चार मामलों में उसे जो रिटर्न मिला है, वह लगभग 1 करोड़ रुपये है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स नए प्रोडक्ट्स और टेक्नोलॉजी पर करने जा रही बड़ा निवेश, बनाया ये प्लान

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स नए प्रोटक्ट्स और टेक्नोलॉजी पर बड़ा निवेश करेगी। कंपनी अगले वित्तीय वर्ष (2024-25) में नई गाड़ियों और टेक्नोलॉजी पर 43,000 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है। ये रकम पिछले साल के 41,200 करोड़ रुपये से थोड़ी ज्यादा है। इस रकम का ज्यादातर हिस्सा, करीब 35,000 करोड़ रुपये, टाटा मोटर्स की ब्रिटिश कंपनी जगुआर लैंड रोवर पर खर्च किया जाएगा। पिछले साल पर 33,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। टाटा मोटर्स ग्रुप ने नए उत्पादों और प्रौद्योगिकी पर चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए निवेश लक्ष्य को बढ़ाया है। इस निवेश में सबसे अधिक हिस्सा समूह की ब्रिटिश इकाई जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को होगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में टाटा मोटर्स समूह ने जेएलआर के लिए तीन अरब पाउंड (लगभग 30,000 करोड़ रुपये) और टाटा मोटर्स के लिए 8,000 करोड़ रुपये का निवेश तय किया था। इस तरह यह कुल मिलाकर यह 38,000 करोड़ रुपये बैठता है। बीते वित्त वर्ष इतना किया था निवेश टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) पी बी बालाजी ने तिमाही नतीजों के बाद कहा, 'बीते वित्त वर्ष में जेएलआर का निवेश 3.3 अरब पाउंड (33,000 करोड़ रुपये से अधिक) रहा, जबकि टाटा मोटर्स का निवेश 8,200 करोड़ रुपये से अधिक रहा। इस तरह बीते वित्त वर्ष में समूह का कुल निवेश 41,200 करोड़ रुपये था।' बालाजी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की बात करें, तो जेएलआर के लिए निवेश 3.5 अरब पाउंड (35,000 करोड़ रुपये) रहेगा। इसकी वजह यह है कि हम कई उत्पादों के लिए योजनाएं लेकर आ रहे हैं। मार्केट में आएंगे नए प्रोडक्ट्स उन्होंने कहा, 'टाटा मोटर्स के लिए हमारा निवेश 8,000 करोड़ रुपये के दायरे में रहेगा। जेएलआर के लिए निवेश में करीब छह प्रतिशत की वृद्धि होगी, जबकि टाटा मोटर्स के लिए यह स्थिर रहेगा।' बालाजी ने स्पष्ट किया कि यह सारा निवेश उत्पादों और प्रौद्योगिकी में होगा।

दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का हुआ अंतिम संस्कार, आईसीआईसीआई बैंक की शुरुआत करने का श्रेय

नई दिल्ली । वित्तीय समूह आईसीआईसीआई की नींव रखने वाले दिग्गज बैंकर नारायणन वाघुल का अंतिम संस्कार किया गया। उनका निधन हुआ था। वे 88 वर्ष के थे। दाह संस्कार से पहले, पीरामल समूह के अध्यक्ष अजय पीरामल और एशियन पेंट्स लिमिटेड के अध्यक्ष आर शेषशायी सहित उद्योग जगत के कई दिग्गजों ने वाघुल को श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया था। परिजनों की मानें तो वे गंभीर हालत में चेन्नई के अपोलो अस्पताल में पिछले दो दिनों से वेंटिलेटर पर थे। गिरने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वे बेहोश थे। उनके परिवार में पत्नी पद्मा, एक बेटी सुधा और एक बेटा मोहन है। आईसीआईसीआई को एक वित्तीय महाशक्ति में बदला पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने वाघुल के निधन पर शोक व्यक्त किया। चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर कहा कि वाघुला एक महान बैंकर थे। उन्होंने आईसीआईसीआई को एक वित्तीय महाशक्ति में बदल दिया। उन्होंने पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रतिभा को पहचाना, उनका मार्गदर्शन किया, उन्हें बढ़ावा दिया और उन्हें उच्च जिम्मेदारियां सौंपी। उनमें से दर्जनों, विशेषकर महिलाएं महान बैंकर बनीं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

म्युचुअल फंड ने इस साल शेयरों में 1.3 लाख करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड उद्योग (एमएफ) ने इस साल भारतीय शेयरों में लगभग 1.3 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। यह वृद्धि मुख्य रूप से खुदरा निवेशकों के बढ़े हुए भरोसे और शेयर बाजार के मजबूत प्रदर्शन के चलते हुई। ट्रेडजिनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि म्यूचुअल फंड भारतीय बाजार की अंतर्निहित वृद्धि क्षमता को प्राथमिकता देते हैं और चुनाव जैसी अल्पकालिक घटनाओं से कम प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली लोगों और उद्योग के दिग्गजों के आश्चर्यजनक उदाहरणों के कारण व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसे निवेशक, जो आमतौर पर बाजारों से दूर रहना चाहते हैं, उन्होंने म्यूचुअल फंड के जरिये निवेश करना शुरू किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार, चालू महीने के पहले पखवाड़े में म्यूचुअल फंड ने 26,038 करोड़ रुपये और अप्रैल में 20,155 करोड़ रुपये का निवेश किया।

ईरान के राष्ट्रपति की मौत : कच्चे तेल की कीमतों वैश्विक बाजार और भारत पर क्या असर पड़ सकता है

नई दिल्ली ।
ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी की एक हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई है। उनकी मौत ईरान, इस्राइल, भारत और वैश्विक स्तर की राजनीति महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। ईरान के राष्ट्रपति रईसी, विदेश मंत्री हुसैन आमिर-अब्दुल्लाहियान, पूर्वी अजरबैजान के गवर्नर मालेक रहमती समेत 9 लोगों की ईरान के उत्तर-पश्चिम में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई। आइए समझते हैं कि ईरान के राष्ट्रपति की मौत कच्चे तेल और सोने की कीमतों, भारत और वैश्विक राजनीति पर क्या असर डाल सकती है

कच्चे तेल की कीमतों पर असर

राष्ट्रपति की मौत के बाद ईरान की राजनैतिक अनिश्चितता तेल बाजारों में अस्थिरता का कारण बन सकती है क्योंकि निवेशक ईरान के तेल उत्पादन और निर्यात पर संभावित प्रभाव का आकलन करते हुए कारोबार में सतर्कता बरत सकते हैं। रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सोमवार को शुरुआती एशियाई कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई। ईरान के तेल उत्पादन में कोई भी व्यवधान वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि ईरान एक प्रमुख तेल उत्पादक देश है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अस्थिरता के बावजूद, तेल बाजार में काफी हद तक एक दायरे के भीतर कारोबार होता दिख रहा है।

सोने की कीमतों और शेयर बाजारों पर प्रभाव

भू-राजनीतिक अनिश्चितता अक्सर सोने जैसी सुरक्षित धातुओं की कीमतों पर असर डालती है। ऐसी परिस्थितियों में लोग इनमें निवेश को सुरक्षित मानते हुए खरीदारी करने लगते हैं। इससे कीमतों में उछाल आती है। रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सोने की कीमतों में मजबूती आई है और यह अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

रईसी की मौत की खबर वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों को भी प्रभावित कर सकती है। निवेशक क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक नीतियों पर संभावित प्रभावों को देखते हुए करोबार करते हैं, इससे बाजार में उतार-चढ़ाव दिख सकता है। भू-राजनीतिक मोर्चे से

जुड़ी इस अहम घटना के बाद एशियाई बाजारो में सपाट कारोबार होता दिख रहा है। संभवत: इसका कारण वर्तमान में ओपेक के पास अतिरिक्त क्षमता का होना है।

ईरान के राष्ट्रपति की मौत का भारत पर असर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस्लामिक गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ सैयद इब्राहिम रईसी के अप्रत्याशित निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोदी ने भारत-ईरान संबंधों को बढ़ाने में रईसी की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने रईसी के परिवार और ईरान के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में ईरान के साथ भारत की एकजुटता की पुष्टि की। हाल ही में भारत ने चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए ईरान के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किया है, जो मध्य एशिया के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक पहल है। पहली बार 2003 में भारत द्वारा इस संबंध में ईरान का को प्रस्ताव दिया गया था।

लेकिन संदिग्ध परमाणु गतिविधियों के कारण ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों से यह समझौता लंबे समय तक बाधित रहा। लंबे समय के बाद हाल ही में हुए इस समझौते की अमेरिका ने आलोचना की है।

अमेरिका ने की है भारत-ईरान के बीच हुए समझौते की अलोचना

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने ईरान के साथ हुए इस समझौते के आलोचना की थी। हालांकि, इसके जवाब में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बंदरगाह के क्षेत्रीय लाभों पर जोर दिया। उन्होंने इस मामले में अमेरिका को व्यापक नजरिया अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भी अतीत में चाबहार के रणनीतिक महत्व को देखते हुए उसकी अमेरिकी प्रशंसा की थी। राष्ट्रपति डॉ सैयद इब्राहिम रईसी की असामयिक मृत्यु से चाबहार बंदरगाह परियोजना पर असर पड़ने की संभावना है। इस बंदरगाह को संचालित करने के लिए भारत ने हाल ही में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावे भारत पेट्रोलियम पदार्थों के मामले में ईरान का बड़ा खरीदार रहा है। अगर ईरान के राष्ट्रपति की मौत का कच्चे तेल की कीमतों और आपूर्ति पर असर पड़ता है, जो जाहिर तौर पर भारत भी इससे प्रभावित होगा।

वैश्विक स्तर की राजनीति में उथल-पुथल

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की एक हालिकॉप्टर हादसे में मौत हो हुई है। यह दुर्घटना अजरबैजान के सीमावर्ती शहर जोल्फा के करीब घटी, जो ईरान की राजधानी तेहरान से 600 किलोमीटर दूर है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहे हेलीकॉप्टर के क्रैश होने की खबर ने दुनियाभर में हलचल मचा दी। हेलीकॉप्टर का मलबा ढूंढ लिया गया है पर दुर्घटनास्थल पर रईसी के जिंदा होने के कोई संकेत नहीं मिले है। हादसे में ईरान के राष्ट्रपति की मौत के बाद जानकार अलग-अलग नजरिए से इसका विश्लेषण कर रहे हैं। हाल के वर्षो ईरान, चीन और रूस की नजदीकियों का अमेरिका मुखर विरोधी रहा है। दुनिया के दो महत्वपूर्ण इलाकों में जंग जारी है। उन दोनों ही क्षेत्रों में ईरान की भूमिका पर अमेरिका और पश्चिम देश सवाल उठाते रहे हैं। जहां ईरान पर यूक्रेन के साथ जंग में रूस को ड्रोन मुहैया कराने के आरोप हैं, वहीं इजराइल के साथ-साथ भी उसकी तनातनी जगजाहिर है। वह इस्राइल-हमास युद्ध में खुले तौर पर हमास का समर्थक रहा है।

ऋषि सुनक इतने मालामाल हो गए कि सालभर भी नहीं हुआ और किंग चार्ल्स से आगे निकल गए

लंदन।
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अमीरी के मामले में ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स को पीछे छोड़ दिया है। ब्रिटिश डिया के मुताबिक अमीरों की ताजा लिस्ट से यह जानकारी निकलकर सामने आई है। अरबपतियों की लिस्ट छापते हुए दावा किया कि ब्रिटेन में धनकुबेरों की संख्या कम हो रही है। इस लिस्ट में पहली बार अरबपतियों की संख्या में भारी कमी देखी गई, जो वर्ष 2022 के 177 से गिरकर अब 165 रह गई है। इस लिस्ट में भारतीय मूल के ब्रिटिश कारोबारी गोपी हिंदुजा और उनका परिवार 37.2 बिलियन पाउंड की कुल संपत्ति के साथ टॉप पर है, जो रैंकिंग के इतिहास में सबसे बड़ी संपत्ति है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पीएम सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति की संपत्ति पिछले एक साल में 12 करोड़ पाउंड (12.7 अरब रुपये) से ज्यादा बढ़कर कुल 65.1 करोड़ पाउंड यानी 68.67 अरब रुपये पहुंच गई है। वहीं इस दौरान किंग चार्ल्स की कुल संपत्ति 60 करोड़ पाउंड से बढ़कर 61 करोड़ पाउंड ही रही।

लिस्ट के टॉप 10 में आर्सेलर मित्तल स्टीलवर्क्स के एनआरआई टाइकून लक्ष्मी एन. मित्तल भी आठवें नंबर पर हैं। इसके बाद वेदांता रिसोर्सेज के उद्योगपति अनिल अग्रवाल 7 अरब पाउंड के साथ 23वें नंबर पर हैं।

2024 की सूची में भारतीय मूल के अरबपतियों में कपड़ा कारोबारी प्रकाश लोहिया 6.23 अरब पाउंड के साथ 30वें स्थान पर हैं, वहीं खुदरा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां मोहसिन और जुबेर इस्सा 5 अरब पाउंड के साथ 39वें स्थान पर हैं, और फार्मा दिग्गज नवीन और वर्षा इंजीनियर 3 अरब पाउंड के साथ 58वें स्थान पर हैं। टॉप 100 सबसे अमीर ब्रितानियों में साइमन, बॉबी और रॉबिन अरोड़ा बंधु 2.682 अरब पाउंड के साथ 65वें स्थान पर हैं और प्रमुख एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल और उनका परिवार पिछले साल की ही तरह 2.6 अरब की अनुमानित संपत्ति के साथ 67वें स्थान पर हैं। इस लिस्ट में 350 व्यक्ति और परिवार शामिल हैं और उनकी संयुक्त संपत्ति 795.361 अरब पाउंड के बराबर है, जो पोलैंड की सालाना जीडीपी से ज्यादा है।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली ।
बीते सप्ताह सोना चांदी की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बाद दोनों धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद आभूषण खरीदने वाले ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली में सोना 7,4760 के भाव पर व्यापार कर रहा है, जबकि चांदी के भाव में 100 रुपये प्रतिकिलो ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कारोबार के पहले दिन की शुरुआत सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट के साथ हुई है।

भारतीय सर्राफा बाजार खुलने के बाद 24 करैट सोना 74,610 रुपये पर व्यापार कर रहा था, जबकि चांदी में 100 रुपये प्रतिकिलो ग्राम के हिसाब से कमजोरी देखी गई है। बीते सप्ताह चांदी अपने सबसे हाई लेवल पर पहुंच गई थी। 24 कैरेट सोना चेन्नई में 7,4720 रुपये प्रति 10 ग्राम, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, केरल और पुणे में 7,4610 प्रति 10 ग्राम, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 7,4760 है। इसके अलावा वडोदरा और अहमदाबाद में 7,4660 के भाव पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोने का ताजा भाव दिल्ली में 6,8540 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि मुंबई कोलकाता, बेंगलुरु, केरल और पुणे में 6,839 प्रति 10 ग्राम है। इसके अलावा वडोदरा और अहमदाबाद में 22 कैरेट सोने का दाम 6,8440 प्रति 10 ग्राम चल रहा है। 1 किलो चांदी की कीमत 92,900 है। इससे पहले चांदी 93 हजार रुपये के हाई लेवल को पार कर गई थी।

रजनीश कुमार और मोहनदास पई बायजू की सलाहकार समिति से हटे, संस्थापक रविंद्रन ने कही यह बात

नई दिल्ली ।
भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार और इन्फोसिस के पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी मोहनदास पई ने थिंक एंड लर्न के संस्थापकों के साथ चर्चा के बाद कंपनी के सलाहकार परिषद के सदस्यों के रूप में पद छोड़ने का फैसला किया है।

बायजू के ब्रांड के मालिक थिंक एंड लर्न के संस्थापक रवींद्रन बायजू ने कंपनी के पुनरुद्धार में देरी के लिए कुछ विदेशी निवेशकों को दोषी ठहराया। उनके रवैये के कारण कंपनी को पुनर्गठन से जुड़ी दिक्कतों, वित्तीय परिणामों में देरी और 200 मिलियन डॉलर शेयर बेचने से मना करने के कारण लिक्विडिटी संकट का सामना करना पड़ा।

थिंक एंड लर्न ने जुलाई 2023 में एडटेक फर्म को संकट से बाहर आने और शासन में सुधार करने के लिए सलाह देने के उद्देश्य से सलाहकार परिषद का गठन किया।

कुमार और पई ने एक संयुक्त बयान में कहा, सलाहकार के रूप में कंपनी के साथ हमारा जुड़ाव हमेशा एक वर्ष के लिए निश्चित अवधि के आधार पर होता है। संस्थापकों के साथ हमारी चर्चा के आधार पर, यह पारस्परिक रूप से निर्णय लिया गया कि सलाहकार परिषद का कार्यकाल

नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि औपचारिक जुड़ाव समाप्त हो गया है, संस्थापक और कंपनी हमेशा किसी भी सलाह के लिए हमसे संपर्क कर सकते हैं। हम संस्थापकों और कंपनी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

यह संविदात्मक समझौता 30 जून, 2024 को समाप्त होने वाला है। इस बीच बायजू ने कहा कि वह सलाहकारों के साथ जुड़ाव को महत्व देता है और कठिन समय के दौरान कंपनी को नेविगेट करने में हम उनके सभी प्रयासों की बहुत सराहना करते हैं। कंपनी ने कहा कि रजनीश कुमार और मोहनदास पई ने पिछले एक साल में अमूल्य सहायता प्रदान की है। कुछ विदेशी निवेशकों की ओर से जारी मुकदमेबाजी के कारण हमारी योजनाओं में देरी हुई, लेकिन कंपनी के पुनर्निर्माण में उनकी सलाह पर भरोसा किया जाएगा, इसका मैं व्यक्तिगत रूप से नेतृत्व कर रहा हूं।

अब भारतीय दवाओं पर सवाल ! अमेरिकी मार्केट से मेडिसिन वापस मंगा रहीं दिग्गज फार्मा कंपनियां

नई दिल्ली।
दुनिया के कई देश भारतीय मसालों में गुणवत्ता से जुड़ी गंभीर खामियां मिलने के बाद बैन लगा रहे हैं। अब देश के फार्मा सेक्टर के लिए भी दिक्कतें बढ़ रही हैं। डॉक्टर रेड्डीज लैबोट्रीज, सन फार्मा और अरबिंदो फार्मा जैसी दिग्गज भारतीय फार्मास्युटिकल्स कंपनियां अपनी अलग-अलग दवाओं को अमेरिकी मार्केट से वापस ले रही हैं। इनकी मैन्युफैक्चरिंग में खामियां पाई गई हैं। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने इन रिकॉल्स को क्लाँस वन और क्लाँस टू के रूप में वर्गीकृत किया है। उसने भारत से आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं की क्वालिटी और सेफ्टी के बारे में गंभीर चिंता जताई है। जेनेरिक दवाओं का मतलब किसी ब्रांडेड मेडिसिन के फॉर्मूले के आधार पर दूसरी दवा बनाना, जो काफी सस्ती होती है। भारत जेनेरिक दवाओं का सबसे निर्माता और निर्यातक है। जावीगटोर के 20,000 डिब्बे रिकॉल करेगी डॉ. रेड्डीज डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज जावीगटोर (सैप्रोप्टेरिन डाइहाइड्रोक्लोराइड) के

करीब 20,000 डिब्बे वापस मंगा रही है। यह फेनिलकेटोनुरिया वाले मरीजों में हाइपरफेनिलएलनिनमिया के इलाज के लिए इस्तेमाल होती है। यह एक तरह का आनुवंशिक विकार होता है, जिससे बौद्धिक विकास पर बुरा असर पड़ता है और मरीज का व्यवहार भी काफी असामान्य होता है। उसे दौरे भी पड़ते हैं। अमेरिकी रेगुलेटर ने पाया कि डॉ. रेड्डीज की काफी कम असरदार है यानी यह प्रभावी तरीके से बीमारी का इलाज नहीं कर पाती। एंटीफंगल इंजेक्शन वापस मंगा रही सन फार्मा देश की सबसे बड़ी जेनेरिक दवा निर्माता सन फार्मा एम्फोटेरिसिन बी लिपोसोम की 11,000 से अधिक शीशियों को वापस ले रहा है। यह इंजेक्शन एंटीफंगल का इलाज करता है।

लेकिन, अमेरिकी ड्रग रेगुलेटर ने अपनी जांच में पाया कि सन फार्मा के इंजेक्शन की क्वालिटी सही नहीं है। अरबिंदो फार्मा ने वापस मंगाई गोलियां अरबिंदो फार्मा क्लोराजेपेट डिपोटेशियम टैबलेट की 13,000 से अधिक बॉटल वापस ले रहा है। यह एंटी-एंग्जायटी दवा है यानी इसे तनाव कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अरबिंदो फार्मा की इन गोलियों पर बिंदीदार पीले धब्बे थे, जिसके चलते उसे दवा मंगानी पड़ रही है। एफडीसी लिमिटेड ने आई -ड्रॉप्स को वापस मंगाया एफडीसी लिमिटेड गड़बड़ कंटेनर की वजह से ग्लूकोमा के इलाज में इस्तेमाल होने वाले आई-ड्रॉप टिमोलोल मैलेट ऑप्थेलमिक सॉल्यूशन की 3,80,000 से अधिक यूनिट को वापस ले रही है। ग्लूकोमा आंखों से जुड़ी समस्या है। इसके मरीज की आंखों में अधिक दबाव होने की वजह से आंख को दिमाग से जोड़ने वाली तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो जाती है।

रिकॉल कितनी तरह के होते हैं

रिकॉल अमूमन तीन तरह के होते हैं। इन्हें स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के हिसाब से वर्गीकृत किया जाता है।

क्लास वन रिकॉल: इसमें सबसे खतरनाक किस्म के उत्पादों को शामिल किया जाता है। इनके सेवन से गंभीर समस्याओं हो सकती हैं। यहां तक कि मौत का खतरा भी रहता है।

क्लास टू रिकॉल: इसमें ऐसे उत्पाद शामिल हैं, जो अस्थायी समस्याओं की वजह बन सकते हैं। इनसे मरीज को लाभ के बजाय नुकसान हो सकता है।

क्लास थ्री रिकॉल: यह सबसे सामान्य किस्म का रिकॉल होता है। इसमें मामूली साइड इफेक्ट का कारण बनने वाले उत्पादों को शामिल किया जाता है।

मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ी; सचिन, सूर्यकुमार ने डाला वोट

मुंबई ।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए मतदान शुरू हो चुका है। इस चरण में आठ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की 49 सीटों पर वोटिंग हो रही है। जिन राज्यों में मतदान हो रहा है उसमें महाराष्ट्र की 13 सीटें भी शामिल है। इस दौरान मुंबई की सभी लोकसभा सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं और इस राज्य से आने वाले खिलाड़ी मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, अजिंक्य रहाणे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ियों ने मुंबई में अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोगों से वोटिंग करने की अपील की।

बेटे अर्जुन के साथ मतदान केंद्र पर पहुंचे सचिन - दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सचिन अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर के साथ मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, सचिन की पत्नी अंजली और बेटी सारा तेंदुलकर किसी कार्यक्रम में व्यस्त रहने के चलते फिलहाल वोट डालने नहीं पहुंची हैं। सचिन और अर्जुन ने मतदान करने के बाद अंगुली पर लगी स्याही दिखाई। सचिन ने पोलिंग बूथ के बाहर मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं यही कहना चाहता हूं कि दिक्कत तब होती है जब आप बिना सोचे कुछ काम करते हैं या सोचते हैं, लेकिन उस पर कार्रवाई नहीं करते हैं। मैं लोगों से मतदान करने की अपील करता हूं। यह हमारे भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

सूर्यकुमार ने लोगों से वोट डालने की अपील की - सचिन के अलावा भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मिस्टर 360 डिग्री के नाम से मशहूर सूर्यकुमार ने वोट डालने के बाद अपनी फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की और सभी से मतदान करने की अपील की। सूर्यकुमार ने फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, आज अपने मत का प्रयोग कर देश के भविष्य को बेहतर बनाने में अपना योगदान दें।

पत्नी के साथ वोट डालने पहुंचे रहाणे - आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे पत्नी के साथ मुंबई में वोट डालने गए। वोट डालने के बाद रहाणे ने पत्नी के साथ फोटो शेयर की। रहाणे ने फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्रिकेटर कैफ को इन टीमों के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

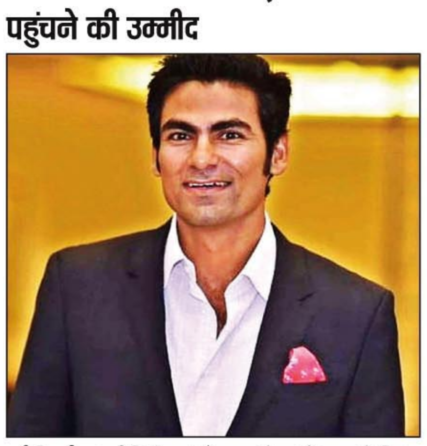

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में भारत, न्यूजीलैंड और मेजबान वेस्टइंडीज के अलावा ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान में से कोई एक टीम अंतिम चार में पहुंचेगी। टी20 विश्व कप के लिए भारत और पाक को के ग्रुप ए में रखा गया है और दोनों ही टीमों के बीच 9 जून को न्यूयॉर्क में आमने-सामने होंगे। यह टूर्नामेंट का सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला भी है। 138 आधिकारिक मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कैफ का कहना है कि उन्हें वेस्टइंडीज में चिर प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल दिख रहा है। कैफ ने कहा कि किसी तरह न्यूजीलैंड ने शीर्ष 4 में जगह बना ली है, आईसीसी आयोजनों में आप उन्हें ख़ारिज नहीं कर सकते इसलिए न्यूजीलैंड को जोड़ें। मुझे लगता है कि वेस्ट इंडीज चूंकि अपने घर में खेल रही है इसलिए घरेलू मैदान पर वह एक खतरनाक टीम हो सकती है। मुझे नहीं पता कि शायद ऑस्ट्रेलिया या पाकिस्तान में से कोई एक आ सकता है। अगर पाकिस्तान के साथ फाइनल आता है तो अच्छा है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में एक साथ कुल सात मैच खेले हैं जहां टीम इंडिया 6 बार विजयी हुई है। पाकिस्तान को एकमात्र जीत 2021 में मिली थी। बहरहाल, कैफ का मानना है कि भारत के पास 2022 के मुकाबले बेहतर टीम है। कैफ ने कहा कि पिछली बार की तुलना में हमारे पास काफी बेहतर गेंदबाजी आक्रमण है, हमारे पास चहल थे लेकिन हम उन्हें पहले एकादश में नहीं खिला सके।

टी20 विश्व कप में आईपीएल की तरह बड़े स्कोर नहीं बनेंगे : शिखर

मुंबई । पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि टी20 विश्वकप में आईपीएल की तरह बड़े स्कोर नहीं बनेंगे क्योंकि इसमें 'इम्पैक्ट प्लेयर का नियम नहीं है। 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम होने से दोनो ही टीमों के पास एक अतिरिक्त बल्लेबाज या एक गेंदबाज खिलाने का अधिकार होता है। ऐसे में कई टीमें आईपीएल में बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहीं। इससे आईपीएल में 8 बार 250 से ज्यादा रन बने। 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर कई दिग्गजों ने सवाल उठाते हुए कहा था कि इससे गेंद और बल्ले में संतुलन बिगड़ा है। इसके साथ ही खेल बल्लेबाजों के पक्ष में झुकता जा रहा है। धवन ने कहा कि मुझे लगता है इस नियम के आने के बाद खेल काफी बदल गया है और अब 250 रन से अधिक बन रहे हैं। ऐसे में विश्व कप से पहले टीम को अपनी मानसिकता बदलनी होगी क्योंकि वहां 'इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होगा और इसका असर खेल पर दिखेगा। इससे खेल में अंतर पैदा होगा। इसलिए सबसे अहम हमें हालातों से तालमेल बैठाना सीखना होगा। धवन ने कहा कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम आने के आने के बाद से ही हमारी सोच बदल गई है। मध्यक्रम के बल्लेबाज के दिमाग में रहता है कि आठवें और नौंवे नंबर तक बल्लेबाजी हैं।

हरभजन चाहते हैं टी20 विश्वकप में रोहित और यशस्वी करें पारी की शुरुआत

नई दिल्ली । पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा को भारत के लिए पारी की शुरुआत करनी चाहिए जबकि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को तीसरे नंबर पर आना चाहिए। हरभजन ने कहा कि शीर्ष स्तर पर बाएं-दाएं संयोजन ठीक रहेगा। यदि 6 से 7 ओवर खेले जाते हैं और ऐसे में यदि हमारे पास शिवम दुबे जैसा खिलाड़ी है, तो वह नंबर 3 पर आ सकता है। इसलिए विराट 4 नंबर पर उतरें। साथ ही कहा कि कोहली एक महान खिलाड़ी हैं , वह किसी भी नंबर पर खेल सकते हैं पर टीम हित पहले आता है। वह भी इस बात से ही सहमत होंगे। यशस्वी और रोहित की जोड़ी टेस्ट में बेहद सफल रही है हालांकि इस आईपीएल में ये दोनो ही कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। रोहित के साथ ओपनर के तौर पर विराट कोहली भी एक विकल्प हो सकते हैं। विराट आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करते हुए शानदार खेल दिखाते हुए 700 से अधिक रन बनाये हैं। इसमें एक शतक भी शामिल है। हालांकि, विराट टीम इंडिया के लिए लंबे समय से नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए आए हैं। भारतीय टीम पिछले एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पायी है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस बार जीत दर्ज करना रहेगा।

सुहास-सुकांत ने किया क्वालिफाई ; पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में भारतीय एथलीट्स का जलवा

नई दिल्ली ।

भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम, तरुण और सुहास एल वाई ने पेरिस में होने वाले पैरालंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। सुकांत पहली बार पैरालंपिक में भाग लेंगे। वह पुरुषों की एससल-4 श्रेणी में हिस्सा लेंगे। उनके अलावा तरुण और सुहास एलवाई ने भी एसएस-4 श्रेणी के लिए टिकट हासिल किया है।

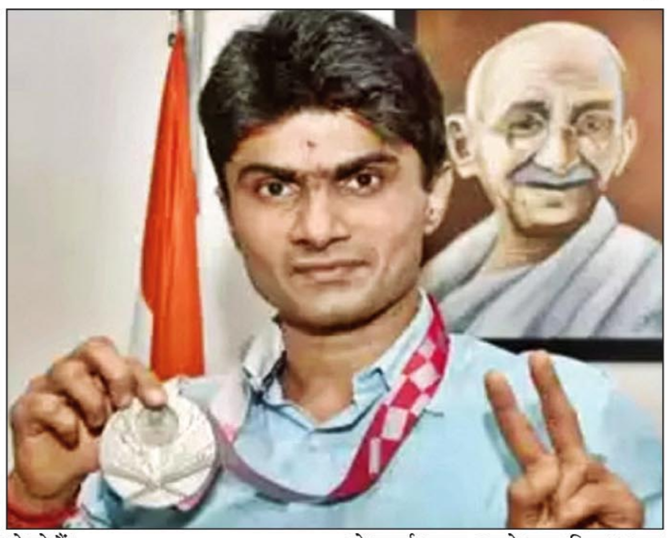

एसएल 4 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनके शरीर के एक तरफ या दोनों पैरों में निचले स्तर पर मूवमेंट प्रभावित होता है। एसएल-3 महिला वर्ग (शरीर के एक तरफ, दोनों पैर या अंगों की अनुपस्थिति वाले खिलाड़ियों के लिए) में मनदीप कौर ने जबकि मिश्रित युगल एसएल 6 वर्ग में निथ्या और शिवराजन ने भी कट हासिल किया।

पेरिस पैरालंपिक 28 अगस्त से आठ सितंबर तक आयोजित होंगे। कदम पिछले कुछ वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और लगातार पदक जीत रहे हैं। कदम ने कहा,'यह मेरे लिए सपने का साकार होने जैसा है। मैंने पैरालंपिक के लिए क्वालिफाई करने के लिए कड़ी मेहनत की है। लेकिन यह सपने का अंत नहीं है। मैं इस सपने का अंत पदक जीतकर और भारत को गौरवान्वित करके करना चाहूंगा।' वह इस समय बहरीन में पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के तीसरे दिन के नतीजे

भारत के लिए ऊंची कूद के पैरा एथलीट निषाद कुमार ने जापान के कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप के तीसरे दिन रजत पदक और प्रीति पाल ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता निषाद ने पुरुषों की ऊंची कूद टी47 फाइनल में 1.99 मीटर के प्रदर्शन से दूसरा स्थान हासिल किया और भारत का खाता खोला।

निषाद ने पेरिस में 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा का रजत पदक जीता था। अमेरिका के रोड्रिक टाउनसेंड ने 2.05 मीटर की कूद से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एक अन्य भारतीय राम पाल अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 1.90 मीटर के प्रदर्शन से छठे स्थान पर रहे।

टी47 में वो पैरा ट्रैक एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनका कोहनी या कलाई के नीचे का हिस्सा कटा होता है या इसमें विकृति होती है। फिर प्रीति पाल ने महिलाओं की टी 35 वर्ग की 200 मीटर स्पर्धा के फाइनल में 30.49 सेकेंड के समय से तीसरा स्थान हासिल कर भारत को दूसरा पदक दिलाया। टी 35 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिन्हें समन्वय संबंधित विकृति होती है।

दीप्ति जीवनजी ने महिला टी20 400 मीटर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 56.18 सेकंड के एशियाई रिकॉर्ड समय से अपनी हीट रेस जीती। चीन 26 पदक के साथ तीसरे दिन तालिका में शीर्ष पर है। भारतीय टीम अभी 29वें स्थान पर है। चैंपियनशिप 25 मई तक चलेगी।

पोंटिंग के पास हैं एक हजार बल्ले

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान

और आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने अब तक जिस बल्ले से भी शतक लगाया था। उसे अपने पास संभाल के रखा है। यहां तक कि उन्होंने उस पर विरोधी टीम का नाम और स्कोर भी लिखा हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने वह पहला बल्ला भी संभाल के रखा है जिससे मैंने पहला शतक लगाया था। इस पर स्टीकर भी लगे हुए हैं। मेरे घर पर करीब एक हजार बल्ले हैं। जिस भी बल्ले से मैंने अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया था, वह मेरे पास है। इस पर मैंने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम तक लिखा है। इस पूर्व कप्तान ने भारतीय टीम के खिलाफ साल 2003 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में नाबाद 140 रन बनाये थे। साल 2012 में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले पोंटिंग के नाम अब तक 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं, वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तान हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और केकेआर के कोच गांगुली ने कहा कि मैंने पहला बल्ला 13 साल की उम्र में खरीदा था। तब गेंद को बल्ले से मारकर हवा में जाते देखकर मैं बहुत खुश होता था।

मनु बनीं ओलंपिक चयन ट्रायल की सबसे सफल शूटर, आठ में से चार बार जीतीं, दो इवेंट में चुनी जाएंगी

नई दिल्ली ।

मनु भाकर ओलंपिक चयन ट्रायल की सबसे सफल शूटर बनकर उभरी हैं। हरियाणा की इस शूटर ने 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल के कुल आठ में से चार ट्रायल में जीत हासिल की। मनु दोनों ही इवेंट में पेरिस ओलंपिक के लिए चुनी जाने वाली टीम में शीर्ष पर हैं। राइफल और पिस्टल इवेंट के ट्रायल में बड़ा झटका ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले शूटरों को लगा है। कुल आठ इवेंट (10 मीटर एयर राइफल, पिस्टल, 50 मीटर थ्री पोजीशन (पुरुष, महिला), 25 मीटर पिस्टल महिला, 25 मीटर रैपिड फायर पुरुष) के लिए शीर्ष दो स्थान पर रहकर 15 शूटरों ने ओलंपिक टीम के लिए दावा जताया है। इन 15 शूटरों में सिर्फ सात शूटर ऐसे हैं, जिन्होंने ओलंपिक कोटा देश को दिलाया था। अब 10 जून को एनआरएआई की चयन समिति ट्रायल के प्रदर्शन के आधार पर ओलंपिक टीम घोषित करेगी।

एलावेनिल विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ जीतीं मनु 15 शूटरों में एकमात्र ऐसी शूटर हैं, जिन्होंने दो इवेंट के लिए ओलंपिक ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में 240.8 का स्कोर कर जीत हासिल की। एलावेनिल वालरिवान ने 10 मीटर एयर राइफल के चौथे ट्रायल में 254.3 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए जीत दर्ज की। पेरिस के लिए 15 शूटरों ने शीर्ष दो पर बनाया स्थान दिल्ली और भोपाल में हुए ओलंपिक चयन ट्रायल के आधार पर 10 मीटर एयर राइफल पुरुष में संदीप सिंह, अर्जुन बबूटा, महिलाओं में एलावेनिल और रमिता, 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर, रिद्म सांगवान, पुरुषों में सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा, 50 मीटर थ्री पोजीशन में सिफ्त कौर समरा, अंजुम मौद्गिल, पुरुषों में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले, 25 मीटर पिस्टल में मनु भाकर, ईशा सिंह, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में अनीश और विजयवीर सिद्धू ओलंपिक टीम के दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बारिश के कारण क्वालीफायर मुकाबला नहीं हुआ तो भी फाइनल में पहुंचेगी केकेआर

अहमदाबाद ।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होने वाले आईपीएल क्वालिफायर मुकाबले में बारिश होती है तो भी केकेआर बिना खेले ही फाइनल में पहुंच सकती है। इसका कारण है कि केकेआर अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची है जबकि राजस्थान की टीम तीसरे नंबर पर फिसल गयी है।

सनराइजर्स को दूसरा स्थान मिला है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) चौथे नंबर पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंची है। लीग मैच में जिस प्रकार बारिश हुई हैं। उससे क्वालिफायर मुकाबलों पर भी बारिश का साया मंडराने लगा है। अगर ऐसा हुआ तो मुकाबले को कम से कम 5-5 ओवर का कर देंगे। अगर ऐसा संभव नहीं हो पाया तो परिणाम सुपर ओवर के जरिए निकलेगा। वहीं बारिश के कारण अगर सुपर ओवर भी नहीं हो पाता है तो अंक तालिका में फाइनल में पहुंचने का फैसला अंक तालिका के आधार पर है। इसमें केकेआर शीर्ष पर होने के कारण फाइनल में पहुंच जाएगी। आईपीएल में लीग मैच के बाद अंक तालिका में शीर्ष दो पर रहने वाली टीमों के बीच ही क्वालीफायर मुकाबला खेला जाता है। इसमें जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचती है जबकि हारने वाली टीम को तीसरे और चौथे नंबर की टीम के विजेता से खेलने का अवसर मिलता है।

टी 20 वर्ल्ड कप से पहले सुरेश रैना ने विराट कोहली को लेकर कही बड़ी बात

रायपुर।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना छत्तीसगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने रायपुर में उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात की। इस दौरान छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे. दरअसल, सुरेश रैना छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के ब्रांड एंबेसडर हैं। छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान सुरेश रैना ने विराट कोहली को हिंदुस्तान का उभरता हुआ सितारा बताया है। साथ ही उन्होंने अगले साल आईपीएल में एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी के आईपीएल में खेलने की बात कही।

विराट कोहली हिंदुस्तान का उभरता सितारा: उप मुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात के बाद सुरेश रैना ने पत्रकारों से बातचीत की. बातचीत के दौरान सुरेश रैना ने छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के आयोजनों को लेकर अपनी प्लानिंग बताई। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग शुरू होने वाला है. क्रिकेट लीग की तैयारियों को लेकर रायपुर आया हूं. छत्तीसगढ़ में इस लीग से क्रिकेट को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू को मिली जीत को लेकर सुरेश रैना ने कहा, विराट कोहली भी अच्छा खेले हैं. कोहली हिंदुस्तान का उभरता सितारा हैं. महेंद्र सिंह धोनी अगले साल फिर आईपीएल में खेलते दिखेंगे।

छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग 7 जून से होगी शुरू: बता दें कि प्रदेश में छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग शुरू होने वाला है. इसकी शुरुआत 7 जून को होगी. यह आईपीएल की तर्ज पर आयोजित किया जा रहा है। 7 जून से शुरू होने वाले इस छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी. इस सीरीज के दौरान कुल 18 मैच खेले जाएंगे. छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना रायपुर पहुंचे. इसके बाद उन्होंने उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात की फिर नया रायपुर स्थित क्रिकेट स्टेडियम के लिए भी रवाना हुए।

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए किया टीम का एलान, आईपीएल स्टार्स की गैरमौजूदगी में इन्हें बनाया कप्तान

नई दिल्ली।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आगाज 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होना है। इस मेगा इवेंट से पहले वेस्टइंडीज को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है, जिसकी शुरुआत 23 मई से होनी है।

इस सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। मौजूदा समय में वेस्टइंडीज के कई प्लेयर्स आईपीएल 2024 खेलने में व्यस्त हैं। ऐसे में आईपीएल स्टार्स की गैरमौजूदगी में साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का कप्तान ब्रैंडन किंग को बनाया गया है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम का एलान - वेस्टइंडीज टीम के 7 खिलाड़ी मौजूदा समय में भारत में आईपीएल खेल रहे हैं, जिसमें निकोलस पूरन, शाई होप, रोवमैन पॉवेल का नाम भी शामिल है। इन खिलाड़ियों को साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं मिली। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक स्टैटमेंट जारी की जिसमें लिखा गया है कि अल्जारी जोसेफ और शेरफेन रदरफोर्ड की फ्रेंचाइजी अगर आईपीएल 2024 के फाइनल में नहीं पहुंच पाती है तो उन्हें वेस्टइंडीज की स्क्वॉड में शामिल किया जा सकता है। शाई होप और निकोलस पूरन दोनों को इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है और वह 27 मई को त्रिनादाद में स्क्वॉड के साथ जुड़ेंगे। वेस्टइंडीज टीम के हेड कोच डैरेन सैमी ने कहा कि हमने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के बाद से एक टीम के रूप में एक साथ नहीं खेला है, लेकिन हमने हाल ही में एंटीगुआ में एक बहुत ही अच्छी ट्रेनिंग की। अब हमारे पास आईपीएल से लौटने वाले अपने कुछ खिलाड़ियों को एकीकृत करने और विश्व कप में जाने वाले टीम में कुछ मोमेंटम बनाने की जरूरत है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम का एलान

ब्रैंडन किंग (कप्तान), रोस्टन चेज, अलिक अथानाजे, जॉनसन चार्ल्स, आंद्रे फ्लेचर, मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, काइले मेयर्स, ओबेड मैकॉय, गुडाकेश मोटी, रोमारियो शेफर्ड और हेडन वॉल्श जूनियर।

डायपर बदलते समय बरतें सावधानी

नवजात डायपर को जल्दी-जल्दी गीला करते हैं इसलिए इसको बार-बार बदलने की जरूरत पड़ती है। लेकिन छोटे बच्चों की त्वचा इतनी कोमल होती है कि उस पर किसी भी चीज से जल्द इंफेक्शन हो जाता है इसलिए डायपर बदलते समय बहुत सावधानी की जरूरत होती है। अगर छोटे बच्चे की त्वचा की देखभाल अच्छे ढंग से नहीं करेंगे तो उसकी त्वचा पर इंफेक्शन भी हो सकता हैं। नवजात के डायपर बदलते समय ध्यान इन बातों का ध्यान रखें।

- नवजात का डायपर बदलने के लिए सभी जरूरी चींजें और सामान अपने पास रख लीजिए जिससे आपको नवजात को छोड़कर बीच-बीच में कहीं जाना न पड़े।
- नवजात का डायपर बदलने के लिए सबसे पहले नवजात को प्लेन स्थान पर लिटाए। लेकिन ध्यान रखें कि जगह साफ हो।
- सफेद और हल्के कलर का डाइपर ही प्रयोग कीजिए, क्योंकि ज्यादा रंगीन डायपर नवजात के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

- डायपर पहनाते समय इसे पास ही रखें लेकिन बच्चे की पहुंच से दूर हो।
- उसके बाद नवजात के दोनों पैर ऊपर करें और एक हाथ से उसके गंदे डायपर को बाहर निकालें।
- नवजात की सफाई करते वक्त यह ध्यान रखें कि उसका सिर आगे से पीछे की तरफ हो।
- गंदा डायपर निकालने के बाद नवजात को कम से कम 10 मिनट तक वैसे ही रहने दीजिए, जिससे उसका शरीर पूरी तरह से सूख जाए।
- नवजात को साफ कॉटन या रूई और गर्म पानी से नमी वाले भाग को अच्छी तरह से साफ करें और पानी को पूरी तरह से सूखने दीजिए।
- डायपर बदलते समय बच्चे का ध्यान दूसरी बातों में लगाने की कोशिश करें।
- डायपर बदलते समय हमेशा अपना एक हाथ नवजात के पेट पर रखें।
- जब आप बच्चे का डायपर बदल रहे हो तो उसे खेलने के लिए खिलौने दें।
- डाइपर को शरीर पर थोड़ा ढीला कर बांधें, ताकि उसकी त्वचा पर निशान न बनें।

इन उपायों को अपनाकर आप आसानी से बच्चे के डायपर को बदल सकते हैं।

हर दिन बस 15 सेकेंड बजाएं ताली...

किसी भी मौके पर ताली बजाना हम सब की जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ताली बजाने से शरीर के रोगों को भी दूर भगाया जा सकता है। दिन में सिर्फ 15 सेकेंड ताली बजाने व तलवों को नियमित रूप से पत्थर से रगड़ने से व्यक्ति खुद को रोगमुक्त रख सकता है।

ऐसे दूर होती हैं बीमारियां

व्यक्ति की हथेलियों व तलवों में शरीर के सभी अंगों के बिंदु होते हैं, जिन्हें दबाकर कई तरह के रोगों को दूर किया जा सकता है। जब हम ताली बजाते हैं तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ने लगता है जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। इसके अलावा अंगूठे के नीचे का स्थान दबने से रक्त की थैलियां खून को विपरीत दिशा में संचारित करती हैं जिससे धमनियों में किसी भी प्रकार की रुकावट दूर होती है। हृदय संबंधी परेशानियों में लाभ मिलता है। इससे पूरे शरीर में कंपन होता है व वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है। इसी तरह पैर के तलवों को पत्थर से थोड़ी देर रगड़ने पर एक्यूप्रेशर पॉइंट्स में दबाव बनता है जो कई रोगों से मुक्ति दिलाता है। इस उपचार में किसी प्रकार का कोई खर्च भी नहीं होता।

ऐसे बजाएं ताली

सीधे हाथ की पहली अंगुली यानी तर्जनी को दूसरे हाथ की हथेली पर चार बार जोर-जोर से चोट करें। उसके बाद तर्जनी व मध्यम दोनों को साथ में लेकर चार बार ऐसा करें। इसी प्रकार तीन अंगुलियों को साथ में लेकर फिर चारों अंगुलियों को मिलाकर ऐसा करें, अंत में दोनों हाथों से ताली बजाएं। इस दौरान आंखों को बंद रखें।

ताली बजाने के बाद दोनों हाथ गर्म व ऊर्जावान हो जाते हैं। ऐसे में ताली बजाने के बाद गहरी सांस भरते हुए मध्यम अंगुली से आंखों को छूते हुए हाथ धीरे-धीरे नीचे की ओर ले जाएं। ऐसा करने से आंखों व चेहरे पर चमक बढ़ती है।

इसलिए 15 सेकंड जरूरी

15 सेकंड की ताली की ऊर्जा रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत कर देती है जिससे शरीर को तमाम रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

ध्यान रहे

ताली बजाने के भी कुछ नियम होते हैं। हमेशा आसन पर खड़े होकर या पैरों में जूते पहनकर ही ताली बजाएं। जमीन पर नंगे पैर ऐसा करने से शरीर में उत्पन्न ऊर्जा जमीन में समाकर नष्ट हो जाती है। कई बार ताली बजाने से हाथों के फटने की समस्या होने लगती है इससे बचने के लिए हाथों में सरसों, नारियल या कोई अन्य तेल लगा सकते हैं।

इस फल के फायदे एक से बढ़कर एक

नाशपाती से रोगों से दूर रहा जा सकता है। इसमें विटामिन्स, खनिज, एंजाइम और फाइबर खूब पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण खूब होते हैं। नाशपाती में मौजूद पैक्टिन नामक घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद के अनुसार नाशपाती पचने में हल्की, रोगी को जल्दी ऊर्जा देने वाली, प्यास बुझाने वाली और त्रिदोष नाशक है। इसमें हाइड्रोऑक्सीनॉमिक एसिड होता है जो पेट के कैंसर को रोकने में मदद करता है। फाइबर पेट के कैंसर को बढ़ने से रोकता है व बड़ी आंत को ठीक रखता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड (फोलेट) गर्भवती महिलाओं के शिशुओं में न्यूरल ट्यूब दोष से बचाता है।

यह आयरन का अच्छा स्रोत है, जो हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। एक गिलास नाशपाती का रस पीने से बुखार में जल्द आराम मिलता है। यह झुर्रियां, मुहांसे और त्वचा संबंधी अन्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है। नाशपाती के पत्रों को पीसकर त्वचा पर लगाने से त्वचा विकारों में लाभ होता है। नाशपाती में बोरोन तत्व होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके सेवन से हार्ट स्ट्रोक का खतरा 50 फीसदी कम होता है व शरीर का ग्लूकोज ऊर्जा में बदल जाता है। इसमें विटामिन सी और तांबा पर्याप्त मात्रा में मिलता है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। नाशपाती के नियमित सेवन से मोनोपॉज के बाद महिलाओं में होने वाले कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। मधुमेह रोगियों के लिए यह स्मार्ट नाश्ता है। इससे मीठा खाने की तलब में आराम मिलता है और पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

ध्यान रखें: नाशपाती को अच्छी तरह धो कर छिलके समेत चबा-चबा कर खाएं। जल्दबाजी में बिना चबाए इसे खाने से पेट में दर्द हो सकता है। देर से काट कर रखी नाशपाती नहीं खानी चाहिए।

ये फायदे जानने के बाद आप भी छिदवा लेंगे कान

आप कान केवल फैशन के लिए छिदवाते रहे होंगे, लेकिन सेहत के लिए यह कितना बढ़िया है, आप नहीं जानते होंगे। कान छिदवाने से पीरियड्स प्रॉब्लम खत्म हो जाती है। प्रजनन क्षमता भी अच्छी होती है। कान छिदवाने से इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और हर्निया की समस्या दूर होती है। कान छिदवाने से दिमाग का विकास भी होता है। हैरानी होगी आपको यह जानकर कि कान के दोनों ओर एक पॉइंट होता है जिसका संबंध दिमाग से होता है। एक्यूप्रेशर के इलाज में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल दिमागी विकास होता है, बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। कान के बीच का हिस्से का संबंध आंखों की रोशनी से भी होता है। ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ानी है, तो कान छिदवा लें। सुनने की क्षमता भी बढ़ती है। कान छिदवाने वाली जगह पर दो एक्यूप्रेशर पॉइंट होते हैं। पहला मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। ये सुनने की क्षमता सही रखते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट्स की मानें तो टिटनस को दूर रखने के लिए भी कान छिदवाना बिल्कुल सही रहता है। हिस्टीरिया की समस्या को भी दूर रखता है। कान छिदवाने से तनाव, डिप्रेशन भी दूर होता है। डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखना है, तो कान छिदवा लें। वजन घटाने का भी यह एक अच्छा विकल्प है। कान पर एक्यूप्रेशर पॉइंट होने के कारण दबाव पड़ता है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम सही रहता है।

बरगद के दूध में छिपे हैं बड़े गुण

वट वृक्ष (बरगद) की तासीर ठंडी होती है जो कफ, पित्त की समस्या को दूर कर रोगों का नाश करती है। बुखार, स्त्री रोग संबंधी समस्याएं, उल्टी व त्वचा के रोगों में वट वृक्ष के पत्तों, जड़ों और दूध का प्रयोग फायदेमंद होता है।

पत्ते हैं उपयोगी

वट की कोपलें चेहरे की कांति बढ़ाने का काम करती हैं। बरगद की जड़ों में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसकी ताजी जड़ों को कुचल कर चेहरे पर लगाएं। झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके पत्तों को तवे पर सेककर सहने योग्य स्थिति में फोड़ों के ऊपर बांधने से लाभ मिलता है। इसके पत्तों की लुग्दी बनाकर शहद और शक्कर के साथ लेने से नकसीर की समस्या में आराम मिलता है। वट के बीजों को पीसकर पीने से उल्टी आने की समस्या दूर होती है।

दूध भी गुणकारी

जिस दांत में कीड़ा लग गया हो वहां इसके दूध में भीगा फोहा रखने से लाभ होता है। लगभग 10 ग्राम बरगद की छाल, कत्था और 2 ग्राम काली मिर्च बारीक पीसकर पाउडर बना लें। यह मंजन करने पर दांतों का हिलना, सड़न, बदबू दूर हो जाती है। वट का दूध, शक्कर के साथ लेने से बवासीर में लाभ होता है। वट का दूध लगाने से सूजन कम हो जाती है। वट के दूध का लेप कमर पर करने से दर्द में लाभ होता है। फटी पड़ी एड़ियों पर बरगद का दूध लगाया जाए, तो काफी राहत मिलती है। बरगद की ताजा कोमल पत्तियों का पाउडर बनाकर खाने से मेमोरी अच्छी होती है। इसके पत्तों की राख को अलसी के तेल में मिला कर लगाने से सिर के बाल उग आते हैं। इसके कोमल पत्तों को तेल में पकाकर लगाने से सभी केश के विकार दूर होते हैं। जले हुए स्थान पर इसके कोमल पत्तों को पीसकर दही में मिलाकर लगाने से शान्ति प्राप्त होती है।

वर्कआउट के लिए सही कपड़े

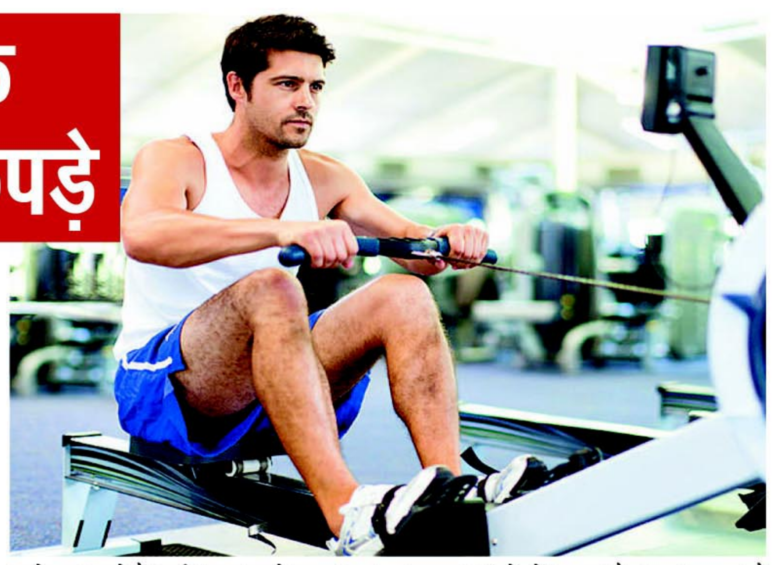

आप फिट रहने के लिए क्या कुछ नहीं करते। जिम में कई घंटों तक पसीना बहाते हैं, लेकिन सही एक्सरसाइज के साथ ही वर्कआउट के लिए सही कपड़ों का चुनाव भी बहुत जरूरी है। तभी आप आराम से एक्सरसाइज कर पाएंगे और दूसरों के सामने असहजता या शर्मिंदगी से भी बच सकेंगे।

कैसी हो फिटिंग

एक्सरसाइज टाइप के मुताबिक ही आपके कपड़ों की फिटिंग होनी चाहिए। जैसे हैवी एक्सरसाइज या उपकरणों के साथ कसरत करते वक्त थोड़े ढीले और कंफर्टेबल शॉर्ट/लोवर के साथ टी-शर्ट पहन सकते हैं, लेकिन योगा या पिलाटे जैसी वर्कआउट के लिए स्ट्रेचेबल और फिट आउटफिट पहनें। इनके लिए जिम पैंट्स या योगा पैंट्स पहनें। हर मौसम में एक्सरसाइज के लिए अलग तरह के कपड़े पहनें, ताकि मौसम की मार आपकी सेहत पर न पड़े।

बॉडी के हिसाब से

अकसर लोगों को जिम में पसीने की बदबू परेशान करती है, जिससे छुटकारा पाने के लिए वे सुगंधित परफ्यूम और लोशन का इस्तेमाल करते हैं। वर्कआउट करते समय जब आपकी बॉडी में गर्मी पैदा होने लगती है और पसीना आता है तो तेज सुंगध वाले परफ्यूम का अरोमा और बढ़ जाता है। जिम में लोशन का इस्तेमाल करने से बचें। लोशन लगाने से पसीना आने पर आपके हाथ चिपचिपे हो जाते हैं, जिससे कुछ समय बाद ही जिम में वर्कआउट करने में मुश्किल होती है और यह सिर्फ आपके लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। कहने का मतलब है कि वर्कआउट करते समय आपके हाथ जगह जगह लगते हैं जिससे आपके द्वारा पकड़ी गई हर चीज चिपचिपी हो जाती है। आपके चेहरे पर लगा लोशन पसीने के साथ बहकर आंखों में जलन पैदा कर सकता है इसलिए यदि लोशन या परफ्यूम लगाना ही चाहते हैं तो उसकी गंध तीव्र न हो।

कैसा हो रंग

नियोन रंग के कपड़े सुंदर लगते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि यह आप पर फबे। हमेशा गाढ़े रंग के कपड़ों का ही चुनाव करें। ऐसे स्पोर्ट्स शूज चुनें जो वर्कआउट करते समय पैरों के लिए सुरक्षित हों। इसके अलावा रनर्स अपने लिए स्पेशल शूज चुन सकते हैं। जूतों का सोल घिसने से पहले उसे रिजेक्ट कर दें वरना आपके ज्वाइंट डेमेज हो सकते हैं। आप जिम जाने के लिए छोटी स्लिव्स वाले टॉप पहन सकते हैं जो टाइट न हो। कंधों को कवर करने वाले कपड़े पहने, जो ज्यादा टाइट न हों। ढीले-ढाले कपड़े पहनकर आप आसानी से न केवल अपने हाथों को मोड़ सकते हैं, आपको वेट-लिफ्टिंग में भी कोई परेशानी नहीं होती।

कॉटन के कपड़े

खुद को कूल रखने के लिए कॉटन के कपड़े चुनें। एक्सपर्ट आपको उन कॉटन के कपड़ों को चुनने की सलाह देते हैं जो लाइकरा या पॉलिएस्टर से बने होते हैं। यदि आप स्पेंडेक्स को पहनकर कम्फर्टेबल फील करते हैं तो जिम वियर के लिए स्पेंडेक्स बहुत ही बढ़िया चुनाव है। अगर आपको ज्यादा पसीना नहीं आता तो आप कॉटन के कपड़े पहन सकते हैं क्योंकि गीले होने पर वह बदन में चिपकते नहीं हैं।

रेसिपी

पुदीना पूरी

सामग्री

1/2 कप बारीक कटे हुए पुदीने के पत्ते
1 कप गेहूं का आटा
1 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून

विधि

पुदीने की पत्तियों को धोकर बारीक काट लें। पुदीना की पूड़ी बनाने के लिए सबसे पहले गेंहू के आटे को एक बड़े बाउल में छानकर निकाल लें और छने हुए आटे में कटी हुई पुदीना की पत्तियां, अजवाइन, जीरा, बेकिंग सोड़ा, कटी हुई हरी मिर्च और नमक डालकर थोड़े-थोड़े पानी से कड़ा पूड़ी जैसा आटा गूंध लें और अब आटे को ढ़ककर करीब 10 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद गैस पर कड़ाही में तेल डालकर गरम करने के लिए रख दें। आटे से छोटी-छोटी लोइयां बना लें और अब प्रत्येक लोई को गोल पूड़ी के आकार में बेल लें। जब तेल अच्छी तरह से गरम हो जाए तब एक- एक पूड़ी को गरम तेल में डालकर दोनों तरफ पलट कर डीप फ्राई करके नैपकीन पेपर पर निकाल लें, इसी तरह से सभी पुदीना पूड़ियों को तलकर तैयार कर लें। स्वादिष्ट पुदीना की पूड़ी बनकर तैयार हो गई है। अब आप इसे आलू की सब्जी या फिर दही और आचार के साथ खा सकते हैं।

पनीर पालक मेथी

सामग्री

पालक - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), मेथी - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), पनीर - 250 ग्राम, तेल - 2-3 टेबल स्पून, हींग - 1 चुटकी, जीरा - आधा छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, धनियां पाउडर - 1 छोटा चम्मच, टमाटर - 1 (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई), नमक - 3/4 छोटी चम्मच या स्वादानुसार चीनी - आधा छोटा चम्मच (यदि आप चाहें)

विधि

पनीर को 1-1 इंच के चौकोर टुकड़ों में काट लीजिए। पैन में 2 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए। तेल गरम होने पर पनीर के टुकड़े इसमें डाल दीजिए और दोनों और से हल्के ब्राउन होने तक सेक लीजिए। सिके हुए पनीर के टुकड़ों को प्लेट मे निकाल लीजिए। पैन में तेल बचा है, 1 टेबल स्पून तेल और डाल दीजिए, गरम तेल में जीरा डाल दीजिए। जीरा भूनने पर इसमें हींग, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, बारीक कटे हुए टमाटर डाल कर, मसाले को थोड़ा सा भून लीजिए। भुने मसाले में बारीक कटी हुई मेथी, बारीक कटी हुई पालक, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को मीडियम आग पर ढ़ककर के 5 मिनट के लिए पकने दीजिए और उसके बाद चैक कीजिए। सब्जी पक चुकी है, इसमें पनीर के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को एक बार फिर ढ़ककर के 2-3 मिनट के लिए धीमी आग पर पकने दीजिए। पनीर मेथी पालक सब्जी बनकर तैयार है, इसे प्याले में निकाल लीजिए। सब्जी को आप परांठे, चपाती, नॉन या चावल किसी के भी साथ भी खा सकते हैं।

इस आश्रम में आते हैं सबसे ज्यादा अमेरिकी

पिछले दिनों अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भारत में एक मंदिर का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि वे एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स की सलाह पर भारत के इस मंदिर में गए थे। जुकरबर्ग ने इस मंदिर का नाम नहीं बताया था लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मंदिर नैनीताल के पास पंत नगर में बाबा नीम करौली के आश्रम में ही था। इसी आश्रम में 1974 में स्टीव जॉब्स आए थे। नीम करोली बाबा का कैंची धाम आश्रम नैनीताल से 20 किलोमीटर दूर नैनीताल-अलमोड़ा रोड़ पर समुद्र तल से 1400 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 10 सितम्बर 1973 में वृन्दावन की पावन भूमि पर नीम करौली बाबा का निधन हो गया लेकिन कैंची धाम आश्रम में अब भी विदेशी आते रहते हैं। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा अमेरिकी ही इस आश्रम में आते हैं। आश्रम पहाड़ी इलाके में देवदार के पेड़ों के बीच है। नीम करौली बाबा के कैंची धाम आश्रम की भौगेलिक स्थिति पूर्णतः वास्तुनुकूल है, क्योंकि आश्रम की दक्षिण एवं पश्चिम दिशा में ऊंचे-ऊंचे पहाड़ है और जहां आश्रम बना है उसकी उत्तर एवं पूर्व दिशा में पहाड़ों के तीखे ढलान के कारण बहुत नीचाई है। पहाड़ की इस नीचाई के बाद उत्तर एवं पूर्व दिशा में ही क्षिप्रा नदी भी बह रही है। फेंगशुई का एक सिद्धांत है कि, यदि पहाड़ के मध्य में कोई भवन बना हो, जिसके पीछे पहाड़ की ऊंचाई हो, आगे की तरफ पहाड़ की ढलान हो, और ढलान के बाद पानी का झरना, कुण्ड, तालाब, नदी इत्यादि हो, ऐसा भवन प्रसिद्धि पाता है और सदियों तक बना रहता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**